विषय- हिन्दी | पाठ- राजधर्म | कक्षा - 7

प्रकरण- कहानी | क्रमांक - 7

मिशन शिक्षण संवाद

भाषा की बात

. नीचे लिखे हुए वाक्य को ध्यान से पढ़िए-

'राजा ने सोचा कि जनपद में कोई ऐसा व्यक्ति मिल जाय, जो उसके दोष बता सके।' इस वाक्य में मुख्य वाक्य है- 'राजा ने सोचा।' यह एक साधारण वाक्य है। इसके अतिरिक्त दो अन्य साधारण वाक्य हैं:-

(क) कि जनपद में कोई ऐसा व्यक्ति मिल जाय।

(ख) जो उसके दोष बता सके।

दोनों वाक्य क्रमशः 'कि' और 'जो' के द्वारा जोड़े गये हैं। इन्हें संयोजक अव्यय कहते हैं। इन तीनों वाक्यों में दूसरा वाक्य पहले के अधीन है और तीसरा वाक्य दूसरे के अधीन। इस प्रकार तीन स्वतन्त्र वाक्य आपस में मिलकर मिश्र वाक्य बने हैं।

नीचे लिखे मिश्रित वाक्यों से मुख्य और अधीन वाक्य अलग-अलग लिखिए-

(क) वह ऐसे व्यक्ति को ढूँढ़ता था, जो उसके दोषों को बता सके।

(ख) अधर्म और अन्याय से राज करूँगा और देखूँगा कि बोधिसत्त्व की बात में कितनी सच्चाई है।

(क)वह ऐसे व्यक्ति को ढूँढता था।- मुख्य वाक्य

जो उनके दोषों को बता सके।-अधीन वाक्य

(ख) अधर्म और अन्याय से राज करूंगा और देखूँगा। -मुख्य वाक्य

कि बोधिसत्व की बात में कितनी सच्चाई है?- अधीन वाक्य

2. तुलना की दृष्टि से विशेषण शब्दों की तीन अवस्थाएँ होती हैं- मूलावस्था, उत्तरावस्था और उत्तमावस्था। मूल शब्द में 'तर' एवं 'तम' लगाने से क्रमशः उत्तरावस्था एवं उत्तमावस्था बनती है, जैसे- श्रेष्ठ-श्रेष्ठतर-श्रेष्ठतम। यहाँ श्रेष्ठतर का अर्थ 'उससे श्रेष्ठ' और श्रेष्ठतम का अर्थ 'सबसे श्रेष्ठ' है।

इसी प्रकार नीचे दिये गये शब्दों के तीनों रूप लिखिए-

गुरु, अधिक, उच्च, न्यून, सरल।

शब्द	मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
गुरू	गुरू	गुरूतर	गुरूतम
अधिक	अधिक	अधिकतर	अधिकतम
उच्च	उच्च	उच्चतर	उच्चतम
न्यून	न्यून	न्यूनतर	न्यूनतम
सरल	सरल	सरलतर	सरलतम

3. नीचे कुछ शब्द और उनके विलोम शब्द दिये गये हैं। उन्हें ध्यानपूर्वक पढ़कर शब्द और उनके विलोम शब्दों के जोड़े बनाकर लिखिए-

अधार्मिक, सुगम, रहित, गुण, सरस, स्थूल, विषाद, अवगुण, सहित, सूक्ष्म, दुर्गम, नीरस, हर्ष, धार्मिक।

शब्द	विलोम
अधार्मिक	धार्मिक
रहित	सहित
सरस	नीरस
विषाद	हर्ष
सुगम	दुर्गम
गुण	अवगुण
स्थूल	सूक्ष्म

अभ्यास-कार्य

(क) शब्द अन्त्याक्षरी को आगे बढ़ाइए-

प्रबन्ध-धनवान-नदी....................

(ख)चित्र देखकर अपने शब्दों में कहानी लिखें।

उत्तरमाला न०-5

(क)१. ब्रह्मदत्त अपने विषय में क्या जानना चाहता था?

२. क्या ऐसा सच में हो सकता है कि राजा के अन्यायी होने पर राज्य में उगने वाले फल भी कड़वे हो जाएँगे?

(ख) बिना बीज वाले फल- केला, अंगूर।

(ग) कड़े छिलके वाले फल- अखरोट, नारियल, बेल।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- पूनम शर्मा

विषय-हिन्दी

पाठ- वीरों का कैसा हो बसंत? कक्षा -7

प्रकरण- कविता

क्रमांक - 8

मिशन शिक्षण संवाद

वीरों का कैसा हो बसन्त ?

वीरों का कैसा हो वसंत ?
आ रही हिमाचल से पुकार,
है उदधि गरजता बार-बार,
प्राची, पश्चिम, भू, नभ अपार
सब पूछ रहे दिग् दिगन्त,
वीरों का कैसा हो वसंत ?
फूली सरसों ने दिया रंग,
मधु लेकर आ पहुँचा अनंग,
वसु-वसुधा पुलकित अंग-अंग,
हैं वीर वेश में किन्तु कंत,
वीरों का कैसा हो वसंत ?
भर रही कोकिला इधर तान,
मारू बाजे पर उधर-गान,
है रंग और रण का विधान,
मिलने आये हैं आदि-अन्त,
वीरों का कैसा हो वसंत ?

शब्दार्थ-

उदधि = समुद्र। प्राची = पूर्व दिशा। दिगन्त = दिशा का छोर। अनंग = कामदेव। वसुधा = पृथ्वी। पुलकित = रोमांचित। कन्त = पति, प्रिय। मारू = एक बाजा और राग जो युद्ध के समय गाया और बजाया जाता है। गलबाँहें = गले में बाँहों का हार। कृपाण = तलवार।

भावार्थ

(प्रस्तुत कविता में वसंत के माध्यम से वीरों के पराक्रम का वर्णन किया गया हैं।)

सन्दर्भ- प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक 'मंजरी' में संकलित कविता "वीरों का कैसा हो बसंत" कविता से ली गई हैं जिसकी कवयित्री 'सुभद्रा कुमारी चौहान' है। इस कविता में कवयित्री ने प्रश्न किया है कि वीरों का बसंत कैसा हो?

व्याख्या- हिमालय पुकार रहा है उदित बार-बार गरज रहा है। पूर्व- पश्चिम, उत्तर- दक्षिण समेत दसों दिशाएं यही प्रश्न कर रही हैं कि वीरों का वसंत कैसा होना चाहिए।

फूली सरसों अर्थात लहराते फसलों ने वीरों के जीवन में रंग भरते हैं। आसमान मानो पुष्परस लेकर आया हो। बसंत के रंगों से दुल्हन बनी धरती का अंग- अंग पुलकित यानी प्रसन्न हो रहा है। परंतु उसका पति (प्रिय वीर) की वेशभूषा में है यानी वह युद्ध के लिए तैयार खड़ा है और फिर यही प्रश्न खड़ा हो जाता है कि वीरों का बसंत कैसा हो।

कवियत्री कहती है कि वीरों के जीवन में बसंत तभी आएगा जब इस शांति से अपने अपनों के साथ खुशियाँ मना पाएँगे अन्यथा उनका बसंत तो युद्ध की तैयारी में ही बीत जाता है। बसंत में कोयल कूकती है तो युद्ध के मैदान में बाजे-गाजे,नगाड़े बजते हैं। वीरों के लिए रंग और रण का विधान कुछ इसी प्रकार का है। वीर जब युद्ध के मैदान में उतरते हैं तो अपना आदि-अन्त यानी जीवन-मृत्यु दोनों को ही हथेली पर रखकर चलते हैं। जीत मिलती है तो जीवन मिलेगा और पराजय मिली तो मृत्यु। कवयित्री पुनः प्रश्न करती है कि युद्ध पर जाने वाले वीरों का बसंत कैसा हो?

अभ्यास-कार्य

कुछ करने को

1-अपने आस-पास किसी सैनिक से मिलकर उनके कार्य क्षेत्र के बारे में जानकारी प्राप्त कर उसे अपने शब्दों में लिखिए।

2-1857 की क्रान्ति के मुख्य केन्द्र दिल्ली, मेरठ, झाँसी, कानपुर, और लखनऊ आदि थे। इन स्थलों पर स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व करने वालों के नामों की सूची बनाइए।

3-इस कविता को अपने स्वर में याद कीजिए।

सुभद्रा कुमारी चौहान

सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म 16 अगस्त 1904 ई0 को इलाहाबाद के निहालपुर नामक ग्राम में हुआ था। सुभद्रा कुमारी चौहान को स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लेने वाली प्रथम सत्याग्रही होने का गौरव प्राप्त है | 'मुकुल' इनकी कालजयी रचना है। साहित्य के क्षेत्र में इन्हें प्रतिष्ठित 'सेक्सरिया पुरस्कार' मिला है। इन्होंने दो बार मध्य प्रदेश विधान सभा सदस्य के रूप में भी अपना राजनैतिक योगदान दिया। 'बिखरे मोती', 'उन्मादिनी', 'सीधे-सादे चित्र', 'त्रिधारा' आपकी प्रमुख कृतियाँ हैं। इनका निधन 15 फरवरी 1948 को हुआ।

उत्तरमाला न०-7

(क)शब्दअन्त्याक्षरी-
प्रबंध-धनवान-नदी-दीपक-कल-लम्बा-बाम्बे-बेहतर-रहना-नाना-नानक-कहना-नागपुर-रसायन-नमक

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- पूनम शर्मा

विषय-हिन्दी

पाठ-वीरों का कैसा हो बसन्त? कक्षा -7

प्रकरण- कविता

क्रमांक - 9

मिशन शिक्षण संवाद

वीरों का कैसा हो बसन्त ?

गलबाँहे हों, या हो कृपाण,
चल चितवन हो या धनुष-बाण,
हो रस-विलास या दलित-त्राण,
अब यही समस्या है दुरन्त,
वीरों का कैसा हो वसंत ?
कह दे अतीत अब मौन त्याग,
लंके, तुझमें क्यों लगी आग,
ऐ कुरूक्षेत्र! अब जाग, जाग
बतला अपने अनुभव अनन्त,
वीरों का कैसा हो वसंत ?
हल्दी-घाटी का शिला-खंड,
ऐ दुर्ग! सिंह-गढ़ के प्रचण्ड,
राणा नाना का कर घमण्ड
दो जगा आज स्मृतियाँ ज्वलंत,
वीरों का कैसा हो वसंत ?
भूषण अथवा कवि चन्द नहीं,
बिजली भर दे वह छन्द नहीं,
है कमल बँधी स्वच्छन्द नहीं,
फिर हमें बतावे कौन? हन्त!
वीरों का कैसा हो वसंत ?

शब्दार्थ

गलबाँहें = गले में बाँहों का हार। कृपाण = तलवार। ज्वलंत = प्रकाशवान। प्रचण्ड = बहुत अधिक तीव्र। दुरन्त = अति गम्भीर। हन्त = खेद या शोक सूचक। स्वच्छन्द= स्वाधीन। चितवन=दृष्टि, कटाक्ष।

अभ्यास-कार्य

विचार और कल्पना

भावार्थ

सन्दर्भ एवं प्रसंग-पूर्वरत्

व्याख्या- कवयित्री एक तरफ वीरों को अस्त्र-शस्त्र से सुसज्जित देखती है तो दूसरी उनके गले में उनकी प्रिया की बाँहों के हार दिखती है। वह दोनों को एक साथ रख कर पूछती हैं कि युद्ध पर जाने वाले वीर कृपाण चुनें या प्रिया की बाहों के हार, वे धनुष- बाण संभालें प्रिया के नैनों के बाण, वे विलासमय जीवन जो प्रेम और सुख से परिपूर्ण हो, उनका चुनाव करें या दबे- कुचले लोगों की मुक्ति के लिए युद्ध का रास्ता अपनाएँ। सबसे प्रबल और गंभीर समस्या तो यही है कि इन सब दुख- सुख के बीच इनका बसंत कैसा हो।

कवयित्री चाहती है कि देशवासियों को युद्ध की सच्चाई ज्ञात हो जाए, अतः अतीत को अपनी चुप्पी तोड़ने के लिए कहती है। युद्ध क्यों होते हैं? उससे किसी का कभी भला नहीं होगा जीतने वाला, हारने वाला दोनों ही खाली हाथ रह जाते हैं। लंका में आग क्यों लगी थी? इस प्रश्न पर विचार करना चाहिए। कुरुक्षेत्र को जगाने के लिए कहा जा रहा है ताकि वह अपने अनंत अनुभवों को बता कर दुनिया को युद्ध के संकट से बचा सके

कवयित्री चाहती है कि युद्ध और वीरता की मिसाल बने हल्दीघाटी और सिंहगढ़ के किले जैसे स्थलों से आवाहन किया जाए और देश के गौरव महाराणा प्रताप, नाना साहब आदि वीरों की ज्वलंत स्मृतियों को फिर से जगा दिया जाए ताकि देश के नौजवानों में अपने देश पर कुर्बान होने का नया जोश पैदा हो। आखिर वीरों का बसंत कैसा हो? क्या युद्ध भूमि में शहीद हो जाना ही उनका बसंत है? नहीं इसलिए कवयित्री अतीत में घटित युद्ध के कड़वे सच को बताते हुए वर्तमान में नरसंहार को रोकना चाहती है।

कवयित्री दुख प्रकट करती हुए कहती हैं कि आज भूषण और चंद जैसे कवि नहीं रहे। जो छंदों में जान डाल सके। आज कवियों की कलम स्वच्छंद नहीं है बल्कि अंग्रेजी शासकों की गुलाम हैं, इसलिए खुलकर अपने विचार अभिव्यक्त नहीं कर पाती फिर हमें कौन आकर बताएगा कि वीरों का बसंत कैसा हो?

उत्तरमाला न०-8

(ख) 1857की क्रांति के मुख्य केंद्र स्थलों पर नेतृत्व करने वाले लोग-

दिल्ली- बहादुर शाह जफर, बख्तखाँ।
मेरठ- धन सिंह गुर्जर।
कानपुर- नाना साहब, तात्या टोपे।
लखनऊ- बेगम हजरत महल।
झांसी- रानी लक्ष्मी बाई।
इलाहाबाद- लियाकत अली।
बिहार- कुंवर सिंह।
बरेली- खान बहादुर खां।
फैजाबाद- मौलवी अहमद उल्ला
फतेहपुर -अजीमुल्ला

प्रश्न1- एक वीर सैनिक सारी सुख-सुविधा का त्यागकर देश की रक्षा में सन्नद्ध रहता है। दुर्गम बर्फ से घिरी पहाड़ी पर स्थित किसी सैनिक को किन कठिनाइयाँ का सामना करना पड़ता होगा ? सोचकर लिखिए।
प्रश्न2-सेना के तीन अंग हैं- थल सेना, वायु सेना, जल सेना। सैनिक के रूप में सेना के किस अंग में आप भाग लेना चाहेंगे और क्यों ?
प्रश्न3-'वीरों का कैसा हो बसन्त?कविता में कौन-कौन पूछ रहा हैं?

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- पूनम शर्मा

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास से विभिन्न क्षेत्रों में क्रान्तिकारी परिवर्तन

2.औद्योगिक क्रान्ति

पहले हमारा देश उद्योग के क्षेत्र मे बहुत पिछडा था। हर मशीन व वस्तु विदेश से मंगानीं पडती थी। परन्तु आज हमारे देश में सभी छोटी बडी उत्पादक मशीनें या मशीनों को तैयार करने वाली मशीनें का निर्माण हो रहा है। रेल इंजन हो या हवाई जहाज, छोटे-छोटे वाहन हों या बडे-बडे जलपोत सब हमारे देश में बनने लगें हैं। लड़ाकू विमान, युद्धपोत, पनडुब्बी, विविध प्रक्षेपास्त्र, विमान भेदी तोपें, टैंक आदि के निर्माण में हम आत्म निर्भर बन गये हैं। रेडियो, टेप-रिकार्डर, टेलीविजन आदि मनोरंजन के साधनों के निर्माण में स्वदेशी प्रौद्योगिकी का प्रयोग हो रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत अग्रणी राष्ट्र की भूमिका निभा रहा है। औद्योगिक क्षेत्र में भारत का स्थान विश्व के छ: प्रमुख राष्ट्रों में है।

3.कृषि

जनसंख्या मे तेजी से वृद्धि के कारण भूमि पर दबाव बढ़ा है जिसके कारण मानव के सामने खाद्यान्न की समस्या एक विशेष प्रकार की चुनौती के रूप में आ खडी हुई। किन्तु कृषि के क्षेत्र में वैज्ञानिक आविष्कारों जैसे - ट्रैक्टर, अच्छे प्रकार के हल, ट्यूबवेल कीटनाशक दवाओं, उन्नत कोटि के बीज, रासायनिक उर्वरकों आदि के प्रयोग से कृषि उपज में पर्याप्त वृद्धि हुयी है। इसके फलस्वरूप ही आज हम खाद्यान्न की समस्या हल कर पाये और हम विदेशों को भी खाद्यान्न निर्यात करने में सफल हुए हैं।

4.ईंधन

पुराने ज़माने से ही पेड़ की सूखी पत्तियाँ, गोबर से तैयार उपले, लकडी, कोयला और मिट्टी का तेल आदि का प्रयोग ईंधन के रूप मे होता आया हैं। इनके प्रयोग में बहुत अधिक समय और श्रम लगता है। आज के दौर में पेट्रोल, डीजल, खाना पकाने की गैस (एल0पी0जी0) जैसे ईंधन का प्रयोग व उत्पादन बड़े पैमाने पर हो रहा है। एक स्थान से दूसरें स्थान तक इनके आवागमन के उत्तम साधन उपलब्ध हैं। इनके प्रयोग से समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है। फलस्वरूप ईंधन के क्षेत्र में क्रान्ति आ गई है। इसके अतिरिक्त आजकल सोलर कुकर व इंडक्शन चूल्हा जैसे ऊर्जा दक्ष उपकरणों का प्रयोग भी व्यापक रूप से हो रहा है।

अभ्यास कार्य-6

1.एल पी जी की का पूरा नाम क्या है? सही विकल्प चुने।
(अ) लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस
(ब) लिंक्ड पेट्रोलियम गैस
(स) लिक्विड पेट्रोलियम गैस
(द) इसमे से कोई नही

2.सोलर कुकर जैसे-----उपकरणो का प्रयोग व्यापक रूप मे हो रहा है।(सही शब्द भरो)

3.औद्योगिक के क्षेत्र मे भारत का कौनसा स्थान है?

4.विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास से किन-किन क्षेत्रो मे क्रान्तिकारी परिवर्तन हुये है?

उत्तरमाला पेज-5

1.(i) द 2.(i) इंटरनेट (ii) कम्प्यूटर

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- अरशद रजा, सम्भल

विषय- विज्ञान

पाठ- मानव,विज्ञान और प्रौद्योगिकी

कक्षा - 7

प्रकरण- चिकित्सा एंव राष्ट्रीय सुरक्षा क्षेत्र मे क्रांति

क्रमांक - 7

मिशन शिक्षण संवाद

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास से विभिन्न क्षेत्रों में क्रान्तिकारी परिवर्तन

5.चिकित्सा के क्षेत्र मे क्रान्ति

चिकित्सा के क्षेत्र में भी बहुत तीव्र गति से विकास हुआ है। बहुत सी जानलेवा बीमारियों की जाँच के लिए अल्ट्रासाउन्ड, एक्स-रे, इण्डोस्कोपी, स्कैनर आदि जैसीं नवीनतम तकनीकों का प्रयोग हो रहा है। हैजा, मियादी बुखार आदि जैसी घातक बीमारियों के सफल इलाज हेतु नई औषधियों की खोज हुई है। साथ ही साथ चेचक, हैजा, काली खाँसी, पोलियो, टी0बी0 आदि बीमारियों की रोकथाम के लिए उपयुक्त प्रतिरोधी टीकों का विकास हुआ है। इनसे घातक बीमारियों की रोकथाम में तीव्र गति से सफलता मिली है। फलस्वरूप चिकित्सा के क्षेत्र में अभूतपूर्व क्रान्तिकारी परिवर्तन हुआ है।

6.राष्ट्रीय सुरक्षा एवं युद्ध

राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में हमारे देश ने बहुत तेजी से प्रगति की है। इससे एक नई क्रान्ति आ गई है। पृथ्वी, अग्नि, त्रिशूल जैसी मिसाइलों का निर्माण व इनका सफल प्रक्षेपण हमारे देश मे हुआ। इनसे हमारे देश की प्रभावी ढंग से सुरक्षा होती है। मिसाइलों का प्रयोग दूसरे देशों द्वारा आक्रमण होने पर उनके युद्ध अस्त्रों को नष्ट करने में होता है। युद्ध की स्थिति में रॉकेट द्वारा मिसाइलें छोड़ने की तकनीक में हमारे देश ने सफलता प्राप्त की है। आधुनिक टैंक, पनडुब्बियाँ, अस्त्र शस्त्रो का निर्माण भी हमारे देश मे होने लगा है।भारत ने कृत्रिम उपग्रहों को विकसित करने तथा उन्हें पृथ्वी की कक्षा में स्थापित करने की प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण सफलतायें प्राप्त की हैं। कृत्रिम उपग्रहों से न केवल दूर संचार व्यवस्था में अभूतपूर्व विकास संभव हो पाया है बल्कि सुदूर संसूचन (Remote Sensing) में भी हम दुनिया में अग्रणी है।परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में भी हमने महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र मे नवीन शोध कार्यों के परिणाम स्वरूप हमारे देश मे अनेक परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित किये जा चुके हैं।इन संयत्रो का उपयोग विद्युत उत्पादन मे किया जा रहा है। चिकित्सा तथा कृषि क्षेत्र में अनेक लाभकारी कार्यों के लिए भी परमाणु ऊर्जा का उपयोग हो रहा है।

अभ्यास कार्य-7

1.निम्न मे से अब हमारे देश मे किसका निर्माण होता है-
(अ)मिसाइल (ब)पनडुब्बी
(स)टैंक (द)सभी

2.निम्न मे से किन बीमारियो के टीके उपलब्ध है-
(अ)पोलियो (ब)टी बी
(स)काली खाँसी (द)सभी

3.परमाणु ऊर्जा के किन्ही तीन उपयोग लिखो।

उत्तरमाला क्रमांक-6

1. (i)अ 2. ऊर्जा दक्ष

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-1. अरशद रजा, सम्भल, 2. मोनिका सिंघाल,हापुड़

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास से मनुष्य को होने वाली हानियाँ

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास से मनुष्य को बहुत लाभ हो रहे है परन्तु लाभ के साथ ही साथ इससे अनेक प्रकार की हानियाँ भी हो रही हैं। विज्ञान व प्रौद्योगिकी के विकास से होने वाली हानियाँ निम्नलिखित हैं-

(i)जल व भूमि का प्रदूषण:

पिछले कई दशको से भारी तादाद मे उद्योगो की स्थापना हुई है। इन उद्योगों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ (waste materials) प्राय: ऐसे ही (बिना उपचार किये) नदियों में बहा दिए जाते हैं अथवा भूमि में विसर्जित कर दिये जाते हैं, जिसके कारण नदियों का जल व भूमि दोनो प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि उपज बढ़ाने के लिए किसान उर्वरकों तथा कीटनाशक दवाओं का अत्यधिक प्रयोग कर रहे हैं जिससे मृदा भी प्रदूषित हो रही है। इस प्रदूषण के कारण भूमि की उर्वरा शक्ति भी कम हो रही है।

(ii)ध्वनि व वायू प्रदूषण :

मनोरंजन के साधन जैसे- रेडियो, टी.वी., लाउडस्पीकर, सिनेमा आदि के बढ़ जाने से ध्वनि प्रदूषण की समस्या भी बढ़ रही है। उद्योगों से निकलने वाले धुयें से वायु प्रदूषण भी बढ़ रहा है।

(iii)बेरोज़गारी की समस्या मे बढोत्तरी :

आजकल के युग मे स्वचालित मशीनों का प्रयोग हो रहा है।कारखानों में ऐसीं मशीनों के प्रयोग से मजदूरों की आवश्यकता कम पड़ती है जिसके कारण बेरोजगारों की संख्या में वृद्धि हो रही हैं।

(iv)जंगलो का विनाश:

फर्नीचर व अन्य कार्यो में लकडी का उपयोग होता है। लकडी की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जंगलों की अंधा-धुंध कटाई हो रही है। इसके अलावा उद्योगों की स्थापना के लिए भूमि की आवश्यकता को पूरी करने के लिए भी जंगलों की कटाई हो रही है। जंगलो के कटने से वातावरण में प्रदूषण बढ़ रहा है।

(v)जन्तुओं की संख्या मे कमी:

जंगलो के कटने व प्रदूषण के कारण अनेक प्रजाति के जन्तुओं जैसे बाघों, गेंडा आदि की संख्या में कमी हो रही है तथा उनका अस्तित्व खतरे में पड़ गया है।

अभ्यास कार्य-8

1.मृदा प्रदूषण से कम होती है-
(अ) उर्वरा शक्ति (ब) मृदा
(स) खनिज (द) इनमें से कोई नहीं
2.जन्तुओ की संख्या मे कमी का कारण है-
(अ)जंगलो का कटान (ब)वर्षा मे कमी
(स)अधिक तापमान (द)इसमे से कोई नही
3.विज्ञान व प्रौद्योगिकी से होने वाली कोई चार हानियाँ लिखो।

उत्तरमाला क्रमांक-7

1. (द) 2. (द)

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- 1. अरशद रज़ा,सम्भल 2. मोनिका सिंघल, हापुड़

THE HOLY GANGA

हिन्दी अनुवाद

The Ganga is our National River. It is one of the world heritages. The Ganga is the lifeline of India and one of the most important rivers of our country. It is considered sacred and worshipped as Goddess Ganga. The Ganga begins its journey from Gomukh. Gomukh is a cave made of ice in the Himalayas. The ice melts, and the water flows out as a tiny stream. As the Ganga flows down the mountains more and more little streams join her. Thus, the Ganga becomes bigger and bigger. It flows down the mountains very fast. It becomes wider and wider as it reaches the plains.

गंगा हमारी राष्ट्रीय नदी है | यह संसार की धरोहर में से एक है | गंगा भारत की जीवनरेखा है और हमारे देश की सबसे प्रमुख नदियों मे से एक है | इसे पवित्र माना जाता है और देवी गंगा के रूप में पूजा जाता है | गंगा अपनी यात्रा गोमुख से प्रारम्भ करती है | गोमुख हिमालय पर बनी एक गुफा है | वर्ष पिघलती है और पानी एक छोटी धारा के रूप में बहता है | जैसे- जैसे गंगा पर्वतों से नीचे बहती जाती है और ज्यादा धाराएं उसमें जुड़ती जाती हैं,इस प्रकार गंगा और बड़ी होती जाती है | वह पर्वतों से नीचे बहती जाती है | जैसे ही वह मैदानों में पहुँचती है, वह और चौड़ी होती जाती है | वह मैदानों में हरिद्वार में पहुँचती है | मैदानों में वह कई गांवों और शहरों से बहकर निकलती है | गंगा नदी के दोनों तरफ हरे मैदान हैं |

Word.	Pronunciation.	Meaning
National	नेशनल	राष्ट्रीय
River	रीवर	नदी
World	वर्ड	संसार
Heritage	हेरीटेज	धरोहर
Consider	कन्सीडर	माना जाता है
Goddess	गॉडेज	देवी
Scread	सेक्रेड	
Melts	मैल्टस	पिघलना
Worshipped	वरसिप्ड	पूजा जाता है	
Country	कन्टरी	देश

Home Work

1.Which is the "National River" of India?
2.Where does the Ganga begin its journey from?

Made by- Parul and A.E.George
9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

The Holy Ganga

The Ganga reaches the plains at Haridwar.In the plains it flows through many villages and towns of India.On both the sides of river Ganga there are green fields.

Many big rivers join the Ganga in the plains.The Yamuna and Saraswati meet the Ganga at Allahabad.This meeting place of these rivers is called Triveni Sangam.

अनुवाद

गंगा नदी हरिद्वार से मैदान पर आ जाती है।मैदानों में ये भारत के कई गांव और शहरों से होकर गुजरती है। गंगा नदी के दोनो किनारो पर हरे भरे मैदान हैं।

मैदानों में कई बड़ी नदियाँ गंगा में मिलती हैं। यमुना और सरस्वती, गंगा नदी से इलाहाबाद में मिलती हैं। इस मिलन स्थल को त्रिवेणी संगम के नाम से जाना जाता है।

Answers of worksheet 7

1. The Ganga is our national river.
2. The Ganga starts from Gomukh .

Exercise

1. Where does the Ganga reach the plains?
2. Name two rivers which join the Ganga?
3. What is the meeting place of the Ganga, the Yamuna and the Saraswati known as ?

Subject - English Chapter- 2nd Class - 7th

Topic - THE HOLY GANGA S.N. - 9

मिशन शिक्षण संवाद

This place is very holy. It is called Teerth Raj Prayag. Kumbh Mela at Prayag has gained international fame as the world's largest religious gathering of people. Many Hindus believe that taking a holy dip in the Ganga can purify a person's soul of all past sins.

यह स्थान बहुत पवित्र है। इसे तीर्थराज 'प्रयाग' कहते। प्रयाग का कुंभ मेला दुनिया में लोगों के सबसे बड़े धार्मिक सम्मेलन के नाम से विश्व विख्यात है। बहुत से हिन्दू मानते हैं कि गंगा में एक पवित्र डुबकी लगाने से मनुष्य की आत्मा के साथ पिछले पाप धुल जाते हैं।

Word.	Pronunciation.	Meaning
Place	प्लेस	स्थान
Holy	हॉली	पवित्र
International	इन्टरनेशनल	अन्तर्राष्ट्रीय
Fame	फेम	प्रसिद्ध
Religious	रिलिजियस	धार्मिक
Gathering	गैदरिंग	भीड़
Believe	बीलीव	विश्वास
Dip	डिप	डुबकी लगाना
Soul	सॉल	आत्मा
Sins	सिन्स	अपराध

Answers of worksheet - 8

1.The Gangs reaches the plains at Haridwar.
2.River Yamuna and Saraswati meet the Ganga.
3. The meeting place of these Rivers is called 'Triveni Sangam'.

Make correct words from the jumbled letters.

1.ggana
2.rrdiahwar
3.masgna
4.uhokmg
5.etirvin

9458278429

Made by- Parul and E. A. George

मिशन शिक्षण संवाद

सोमनाथ मंन्दिर-

सोमनाथ मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है जो गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र के वेरावल में स्थित है। इस मन्दिर को कई बार आक्रमणकारियों ने नुकसान पहुँचाया।

आधुनिक मन्दिर का निर्माण सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयास से हुआ। भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद के हाथों 11 मई 1951 को यहाँ ज्योतिर्लिंग की स्थापना की गई।

अल्बरुनी की दृष्टि में भारत-

अल्बरुनी मध्य एशिया का प्रसिद्ध विद्वान था। इसका मूल नाम अबुरैहान मोहम्द बिन अहमद था। इनका जन्म 973 ई0 में खीवा में हुआ। अल्बरुनी महमूद गज़नवी का समकालीन था और वह भारत आया था। उसने यहाँ संस्कृत, भारतीय दर्शन और ज्योतिष शास्त्र का अध्ययन किया। अल्बरुनी ने अपनी पुस्तक तहकीक-ए-हिन्द में ग्यारहवीं शताब्दी में भारत के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन पर विस्तार से जानकारी दी है।.......

1.विदेशियों के तौर-तरीके, पहनावा, खानपान उन्हें नहीं पसंद था। इन्हीं कारणों से वे उन्हें म्लेच्छ कहते थे।
2. भारतीय भोजन अलग थाल में करते, दैनिक कार्य में शगुन को महत्वपूर्ण मानते और लोग अपने पारम्परिक व्यवसाय को ही अपनाते थे।
3. हिंदू ईश्वर में विश्वास रखने वाले और उनका मानना था कि ईश्वर एक, अनादि, अनंत और सर्वज्ञ है।
4. पृथ्वी और ग्रह, उनका आकार और घूमना, सूर्य और चन्द्रग्रहण, अक्षांश और देशांतर और इनके पर्यवेक्षण के उपकरण भारतीय खगोल के पांच सिद्धांत है।
5. भारतीय गणितज्ञ तथा खगोलशास्त्री योग्य हैं। उन्होंने पृथ्वी, तत्व, अंतरिक्ष तथा समय और इसके विभाजन में पुराणों में वर्णित विचारों को ही मान्यता दी।

अभ्यास कार्य

प्रश्न 1- सोमनाथ मंदिर कहा स्थित है ?
प्रश्न 3-सोमनाथ मंदिर पर किसने कई बार आक्रमण किया है?
प्रश्न 3-भारत के प्रथम राष्ट्रपति का नाम क्या था?
प्रश्न 4-अलबरूनी की पुस्तक का नाम क्या नाम था?
प्रश्न 5- अलबरूनी किसका समकालीन था?
प्रश्न 6- भारतीय खगोल के पांच सिद्धांत कौन से थे?

उत्तरमाला क्रमांक 6

उत्तर-1- धन लूटने के लिए
उत्तर -2- 17 बार
उत्तर -3- 1025 में
उत्तर -4- गुजरात
उत्तर -5- राजपूत वंश

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-सुनीता यादव श्रावस्ती, आकांक्षा मिश्रा हरदोई

विषय- सामाजिक विषय

प्रकरण- महमूद गजनवी का भारत पर आक्रमण

पाठ- इस्लाम का भारत में आक्रमण

कक्षा -7

क्रमांक -6

मिशन शिक्षण संवाद

तुर्क आक्रमण

उत्तर भारत में चौहान, तोमर, गहड़वाल, चन्देल, चालुक्य जैसे राजपूत वंशों के राज्य थे। इसी समय तुर्कों ने भारत में अपना राज्य फैलाने के लिए आक्रमण प्रारम्भ कर दिया।

महमूद गजनवी का भारत पर आक्रमण:-

तुर्कों का पहला बड़ा हमला तब हुआ जब गजनी (अफगानिस्तान) राज्य के महमूद गज़नवी ने भारत पर हमला किया, पर वह भारत में राज्य नहीं करना चाहता था। उसकी नज़रें ईरान, अफगानिस्तान व खुरासान के क्षेत्र में ही दूसरे तुर्क राजाओं को हराकर अपने राज्य गजनी को बढ़ाने में लगी थी।

महमूद गजनवी भारत मे अपनी सेना के लिए धन जुटाने की कोशिश मे आया था। इस कोशिश में उसने सन् 1000 से सन् 1025 तक 17 बार विभिन्न राजपूत राज्यों पर आक्रमण किया। उसने कई राजाओं को हराकर उनके धन पर कब्ज़ा किया। उन मंदिरों और बौद्ध मठों को तोड़ा व लूटा, जिनमें बहुत धन दौलत इकट्ठी हुई थी। इसमें 1025 ई0 में सोमनाथ मन्दिर का आक्रमण सबसे प्रसिद्ध है।

सोमनाथ मंदिर

उत्तरमाला क्रमांक-5

उत्तर नं-1 कोई नहीं।

उत्तर नं-2 राजपूत राजवंश।

उत्तर नं-3 व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और राज्य विस्तार के कारण।

अभ्यास कार्य

प्रश्न 1 गजनवी ने भारत पर आक्रमण क्यों किया?

प्रश्न 2 गजनवी है कितनी बार आक्रमण किया?

प्रश्न 3 गजनवी ने सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण कब किया?

प्रश्न 4 सोमनाथ मंदिर भारत के किस राज्य में स्थित है?

प्रश्न 5 गजनवी के आक्रमण के समय भारत में किस वंश का राज था?

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- सुनीता यादव श्रावस्ती, आकांक्षा मिश्रा हरदोई

विषय- सामाजिक विषय

पाठ- इस्लाम का भारत में आक्रमण

कक्षा -7

प्रकरण- तुर्क आक्रमण के समय भारत

क्रमांक- 5

मिशन शिक्षण संवाद

तुर्क आक्रमण के समय भारत:-

उत्तर भारत में इस्लाम के आगमन के समय कोई शक्तिशाली शासक नहीं था। *ग्यारहवीं शताब्दी के प्रारम्भ में भारतवर्ष सौ से अधिक छोटी राजनीतिक इकाइयों अथवा राज्यों में विभक्त हो चुका था जिन पर कई छोटे-बड़े राजा और सामन्त शासन करते थे। इनमें अधिकांशत: राजपूत थे। अत: इस युग को 'राजपूत युग' कहा गया है।* इन छोटे छोटे राज्यों के शासक व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की पूर्ति हेतु राज्य-विस्तार में संलग्न हो गए। इसके परिणामस्वरूप राजनीतिक अव्यवस्था और अधिक बढ़ गई। ऐसे में केन्द्रीय सत्ता का ह्रास स्वाभाविक था। समाज जाति-पाँति तथा भेद-भाव के बन्धन पर आधारित था। इस समय जाति-व्यवस्था में और अधिक कठोरता आ गई थी। भारतीय समाज अपने खान-पान एवं आचार-विचार को श्रेष्ठ समझता था। अत: दूसरे देशों में क्या हो रहा है? उससे परिचित होने का न प्रयास किया गया और न ही लाभ उठाया गया।

हिंदी संख्या

० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

अरबी संख्या

٠ ١ ٢ ٣ ٤ ٥ ٦ ٧ ٨ ٩

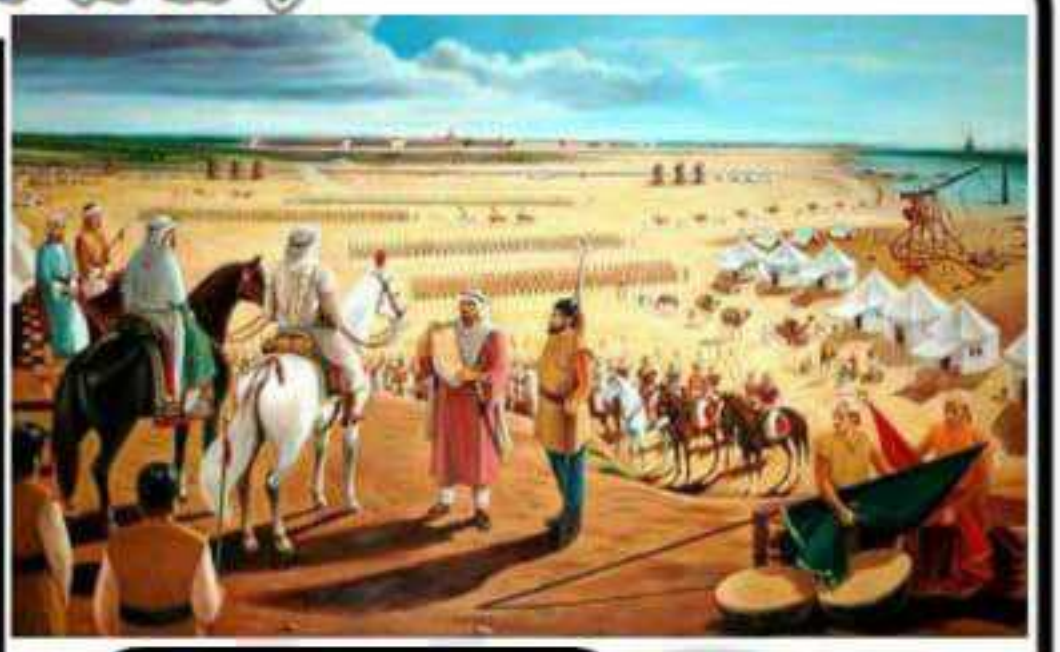

अभ्यास कार्य

प्रश्न नं.1- इस्लाम के आगमन के समय उत्तर भारत का शक्तिशाली शासक कौन था?

प्रश्न नं.2- उत्तर भारत में कौन सा राजवशं राज्य करता था?

प्रश्न नं.3- राजपूत वंश में राजनीतिक अव्यवस्था क्यों बढ़ गई थी?

रिक्त स्थान भरो-

क- भारतवर्ष सौ से अधिक छोटी..... इकाइयों में विभक्त था।

ख- समाज..... तथा.....के बंधन पर आधारित था।

ग- भारतीय समाज अपने..... एवम्.....को श्रेष्ठ समझता था।

उत्तरमाला क्रमांक 4

उत्तर-1 सच्चे दिल से अल्लाह को प्रेम करना।

उत्तर-2 हिंदू और मुस्लिम।

उत्तर-3 अरबों से।

उत्तर-4 भारतीयों से।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- सुनीता यादव श्रावस्ती,आकांक्षा मिश्रा हरदोई

विषय- संस्कृत पाठ- द्वितीयः पाठः कक्षा - 7

प्रकरण- चित्रपाठः क्रमांक- 9

मिशन शिक्षण संवाद

द्वितीय अन्विति

इयं का?
इयं महाराज्ञी लक्ष्मीबाई।
किमर्थम् इयं प्रसिद्धा?
इयं लक्ष्मीबाई 1857 तमे वर्षे
प्रथम स्वातंत्र्य
संग्रामस्य वीरांगना आसीत्।
त्रयोविंशतिवर्षायु प्राप्ता इयं
राजमहिषी आंग्लसाम्राज्यस्य
सैन्यबलं प्रतिकर्तुं प्रयत्नवती।
रणक्षेत्रे वीरगतिं प्राप्तवती परञ्च
यावज्जीवनं आंग्लशासकानां
झाँसीनगरातिक्रमणं
नाङ्गीकृतवती।

शब्दार्थाः-1- इयं-यह(स्त्रीलिंग)
2- आंग्ल साम्राज्य-अंग्रेजी शासन
3- सैन्यबल-सेना के बल को
4- राजमहिषी-राजरानी
5- कवयित्री-कविता करने वालीं
6- आभूषयत-शोभित किया

अनुवाद- ये कौन हैं? ये महारानी लक्ष्मीबाई हैं। ये क्यों प्रसिद्ध हैं? यह लक्ष्मीबाई सन्1857 में प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम की वीरांगना थीं।23 वर्ष की उम्र में इन राजरानी ने अंग्रेजी सेना से लोहा लिया।रणक्षेत्र में वीरगति को प्राप्त हुई पर जब जीवित रहीं अंग्रेजी सेना का'झाँसी नगर' में अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया।

इयं का ?
इयं 'भारतकोकिला'
श्रीमतीसरोजिनीनायडूमहाशया।
कथम् इयं 'भारतकोकिला' ?
इयं विदुषी कवयित्री
सुमधुरभाषिणी च आसीत्।
इयं स्वतन्त्रभारते उत्तरप्रदेशस्य
प्रथमं राज्यपालपदम् अभूषयत्।

ये कौन हैं?ये 'भारत कोकिला' श्रीमती सरोजनी नायडू महोदया हैं।ये 'भारत कोकिला' कैसे हैं? ये विदुषी,कवयित्री और मधुर बोलने वाली थीं। इन्होंने स्वतन्त्र भारत में उत्तर-प्रदेश के प्रथम राज्यपाल के पद को सुशोभित किया।

एक पदेन उत्तरत-

(क) महारानी लक्ष्मीबाई का आसीत्?
उत्तर-वीरांगना।
(ख) सरोजिनी नायडू का आसीत्?
उत्तर- भारतकोकिला।

महारानी लक्ष्मीबाई ने कहा था-"मैं अपनी झाँसी नहीं दूँगी।" संवाद को पूरे हाव-भाव के साथ बोलनें का अभ्यास करें।

शनिवार गतिविधि-

बच्चो!सरोजिनी नायडू की रचना के कुछ अंश पढ़कर याद कर सकते हो।

क्या ये जरूरी है कि मेरे हाथों में
अनाज या सोने के परिधानों के मँहगें उपहार हों?
ओ! मैंने पूर्व और पश्चिम की दिशाएं छानी हैं।
क्या मेरे आंसुओं के दर्द को तुम माप सकते हो?
या मेरी घड़ी की दिशा को समझ सकते हो।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbv Kasganj

विषय-संस्कृत पाठ-द्वितीयः पाठः कक्षा - 7

प्रकरण- चित्रपाठः क्रमांक- 9

मिशन शिक्षण संवाद

अयं कः?
अयं राष्ट्रपिता
मोहनदासकरमचन्द-गान्धी।
कथम् अयं राष्ट्रपिता ?
अयं वर्तमानभारतराष्ट्रस्य
जनकः अस्ति।
कथम् अयं प्रसिद्धः ?
अयं सत्याग्रहेण
अहिंसान्दोलनेन च परतन्त्रं
भारतं स्वतन्त्रम्
अकारयत्।

ये कौन हैं? ये राष्ट्र पिता मोहनदास करमचन्द गाँधी हैं। ये राष्ट्रपिता कैसे कहलाये? ये वर्तमान भारत राष्ट्र के जनक हैं।ये क्यों प्रसिद्ध हैं?इन्होंने सत्याग्रह और अहिंसा आन्दोलन के माध्यम से परतन्त्र भारत को स्वतन्त्र कराया।

अयं कः ?
अयं अस्माकं राष्ट्रस्य तृतीयः
राष्ट्रपतिः डॉ0 जाकिर
हुसैनमहाभागः।
कथम् अयं तृतीयः राष्ट्रपतिः ?
अस्य किं वैशिष्ट्यम् आसीत् ?
अयं नूतनायाः
प्राथमिक-शिक्षापद्धतेः
विशेषज्ञःआसीत्।

ये कौन हैं? ये हमारे देश के तीसरे राष्ट्रपति डॉ.जाकिर हुसैन हैं। इनकी क्या विशेषता है? ये नवीन प्राथमिक शिक्षा पद्धति के विशेषज्ञ थे।

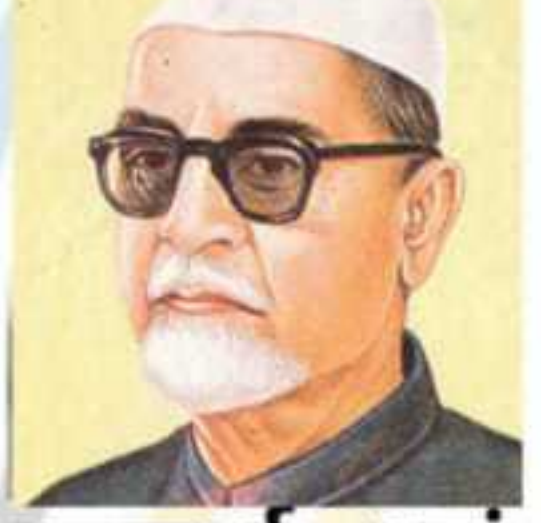

अयं कः ?
अयं भारतस्य एकादशः
राष्ट्रपति डॉ0 ए0 पी0 जे0
अब्दुलकलामः।
अस्य जन्म कदा अभवत् ?
अस्य जन्म 1931 तमे वर्षे
अक्टूबर मासस्य प´्चदशे
दिनाङ्के अभवत्।
अस्य जन्म तामिलनाडु प्रान्तस्य
रामेश्वर नामके स्थाने अभवत्।
कथम् अयं प्रसिद्ध ?
अयं महान् वैज्ञानिकः।अयं
मिसाइलमैन" इति नाम्ना प्रसिद्धः
अभवत।

ये कौन हैं? ये भारत के ग्यारहवें राष्ट्रपति डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम हैं। इनका जन्म कब हुआ? इनका जन्म सन् 1931में अक्टूबर महीने की15 तारीख को हुआ। इनका जन्म तमिलनाडु राज्य के रामेश्वर नामक स्थान पर हुआ। ये क्यों प्रसिद्ध हैं? ये महान वैज्ञानिक हैं। ये 'मिसाइल मैन' के नाम से प्रसिद्ध हैं।

अयं कः ?
अयं डॉ0
भीमरावअम्बेडकरमहाभागः।
कथम् अयं प्रसिद्धः ?
स्वतन्त्रभारतस्य संविधाननिर्माणे
अस्य अपूर्वं महत्त्वपूर्णंच
योगदानम् आसीत्।

ये कौन हैं? ये डॉ.भीमराव अंबेडकर हैं।
ये क्यों प्रसिद्ध हैं? स्वतन्त्र भारत के संविधान के निर्माण में इनका अपूर्व और महत्वपूर्ण योगदान है।

शब्दार्थाः-अयं-यह। कः-कौन। जनकः- पिता। परतन्त्र-गुलाम। अन्यत्-और। अस्माकं-हमारे। मास-महीने। आसीत्-था।

गृहकार्य-कठिन शब्दों के अर्थ व हिन्दी अनुवाद याद करें व उत्तरपुस्तिका पर लिखें।

उत्तरमाला- नमति, गच्छति, पठामि, प्रवहति, नयसि।

प्रवीणा दीक्षित Kgbv Kasganj

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-

विषय-संस्कृत पाठ-प्रथमः पाठः कक्षा - 7

प्रकरण-पुनरावलोकनम् क्रमांक - 7

मिशन शिक्षण संवाद

द्वितीय अन्विति-

धेनुः पश्यति।
धेनू पश्यतः।
धेनवः क्षेत्रे चरन्ति।
माता जलम् आनयति।
मातरौ जलम् आनयतः।
मातरः जलम् आनयन्ति।
दधि पात्रे अस्ति।
दधिनी पात्रयोः स्तः।
दधीनि पात्रेषु सन्ति।
मधु पुष्पेषु भवति।
मधुनी पात्रयोः स्तः।
मधूनि मधुकोषेषु सन्ति।

गाय देखती है।
दो गायें देखती हैं।
बहुत सी गायें मैदान में चरतीं हैं।
माता जल लातीं हैं।
दो माताएँ जल लातीं हैं।
बहुत सी माताएँ जल लातीं हैं।
दही बरतन में है।
दही दो बरतनों में है।
दही बहुत से बरतनों में है।
शहद फूलों से होता है।
शहद दो बरतनों में है।
शहद मधुमक्खियों के छत्ते में है।

शब्दार्थाः-

क- धेनुः-गाय
ख-क्षेत्रे -मैदान में
ग-दधि-दही
घ- पात्रं-बरतन
ड़-मधुः-शहद

एक पदेन उत्तरत-

प्रश्न-माता का आनयति?उत्तर-जलम्।
प्रश्न- गोष्ठे काः निवसन्ति?उत्तर-धेनवः।
प्रश्न-दधि कुत्र अस्ति?उत्तर-पात्रे।
प्रश्न-मधूनि कुत्र सन्ति?उत्तर- मधुकोषेषु।

अभ्यास प्रश्न-

उचित-क्रियापदं चित्वा वाक्यं शुद्धं कुरुत -
(क) सः मातरं नमन्ति। (नमति, नमामि, नमसि,)
(ख) अयं छात्रः विद्यालयं गच्छन्ति। (गच्छामि, गच्छति, गच्छतः)
(ग) अहं प्रतिदिनं पुस्तकं पठति। (पठसि, पठन्ति, पठामि)
(घ) इयं नदी काश्यां प्रवहसि। (प्रवहन्ति, प्रवहामि, प्रवहति)
(ङ) त्वं पुस्तकं नयति। (नयसि, नयामि, नयन्ति)

संस्कृतभाषायाम् अनुवादं कुरुत -
(क) गुरु शिष्यों को पढ़ाते हैं।
अनुवाद- गुरुवः शिष्यान् पाठयन्ति।
(ख) मुनि आश्रम में रहते हैं।
अनुवाद- मुनयः आश्रमे निवसन्ति।
(ग) गुरु वेदों का अभ्यास करते हैं।
अनुवाद- गुरुवः वेदाभ्यासं कुर्वन्ति।
(घ) माँ जल लाती है।
अनुवाद-माता जलम् आनयति।

1- मञ्जूषातः पदानि चित्वा वाक्यानि पूरयत -
(क) धेनवः ..... निवसन्ति।
(ख) माता ..... आनयति।
(ग) ..... प्रवहतः।
(घ) दधिनी..... स्तः।
(ङ) मुनयः..... निवसन्ति।
(च) गुरुः .....निवसतः।

2- शब्दानुसारं चित्रनिर्माणं कुरुत-
एकवचनम् द्विवचनम् बहुवचनम्

वृक्षः- वृक्षः, वृक्षौ, वृक्षाः।
माला- माला, माले, माला।
पुष्पम्- पुष्पम्, पुष्पे, पुष्पाणि।

गृहकार्य- उत्तरपुस्तिका पर लिखें, समझें व याद करें।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbv Kasganj 9458278429

विषय- गणित पाठ- घातांक **कक्षा - 7**

प्रकरण-घातांको का नियम **क्रमांक - 9**

मिशन शिक्षण संवाद

घातांको का नियम-

नियम – 4

पृथक आधार किन्तु समान घातांक वाली संख्याओ का गुणन-

उदाहरण - $2^4 \times 3^4$

यहां पर दोनों पदों के घातांक समान है किंतु आधार अलग है

$2^4 = 2 \times 2 \times 2 \times 2$

तथा $3^4 = 3 \times 3 \times 3 \times 3$

अत: $2^4 \times 3^4 = (2 \times 2 \times 2 \times 2) \times (3 \times 3 \times 3 \times 3)$

$= 2 \times 2 \times 2 \times 2 \times 3 \times 3 \times 3 \times 3$

$= (2 \times 3) \times (2 \times 3) \times (2 \times 3) \times (2 \times 3)$

$= (2 \times 3)^4$

अर्थात् $2^4 \times 3^4 = (2 \times 3)^4$

अत: हम व्यापक रूप से कह सकते हैं कि यदि a और b कोई परिमेय संख्याएं हों तथा m एक धन पूर्णांक हो तो $a^m \times b^m = (a \times b)^m$

नियम – 5

पृथक आधार किंतु समान घातांक वाली संख्याओं का भाग

उदाहरण -

$8^5 \div 9^5 = 8^5/9^5$

$= 8 \times 8 \times 8 \times 8 \times 8/9 \times 9 \times 9 \times 9 \times 9$

$= (8/9) \times (8/9) \times (8/9) \times (8/9) \times (8/9)$

$= (8/9)^5$

अत: हम व्यापक रूप से कह सकते हैं कि यदि a और b कोई शून्येत्तर परिमेय संख्याएं हों तथा m एक धन पूर्णांक हो, तो $a^m \div b^m = a^m/b^m = (a/b)^m$

तथा

$b^m \div a^m = b^m/a^m = (b/a)^m$

अभ्यास कार्य 9

प्रश्न 1- सरल करें:

(i) $5^5 \times 8^5$

(ii) $8^6 \times 7^6$

(iii) $9^{12}/5^{12}$

(iv) $(5/7)^3 \times (3/4)^3$

(v) $3^{12} \times 3^7 \div 3^{25}$

(vi) $(-1)^3 \times (-1)^2$

(vii) $(-1)^{49} \div (-1)^{25}$

(viii) $5^5 \times 8^5$

प्रश्न 2- रिक्त स्थान भरो :

(i) $4 \times 4 \times 4$ ... बीस बार $= (...)^{20}$

(ii) $8^6 \times 7^6 = (...)^6$

अभ्यास कार्य 8 के उत्तर

(i) $(3)^7 \times (3)^8 = (3)^{15}$

(ii) $(6)^4 \times (6)^2 \div (6)^5 = 6$

(iii) $(5)^9 \times (5)^4 \div (5)^8 = (5)^5$

(iv) $[(3)^4]^2 = (3)^8$

(v) $(4)^5 \div (4)^2 = (4)^3$

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- अर्पण कुमार आर्य (बरेली) / मन्जू सिंह जादौन (अलीगढ़)

विषय- गणित पाठ- 2 (घातांक) कक्षा - 7

प्रकरण- घातांको का नियम क्रमांक- 8

मिशन शिक्षण संवाद

घातांको का नियम

नियम-1 एक ही आधार वाली घातीय संख्याओं का गुणन -

उदाहरण - $2^3 \times 2^4$ का मान ज्ञात करें-

$2^3 \times 2^4 = (2x2x2) \times (2x2x2x2)$

$2^3 \times 2^4 = 2x2x2x2x2x2x2$

$= 2^7$

$2^3 \times 2^4 = 2^{(3+4)}$

$= 2^7$

यहां 2^3 और 2^4 में आधार समान है और

घातांकों 3 और 4 का योगफल 7 है।

अत: हम व्यापक रूप से कह सकते हैं कि यदि a एक शून्येत्तर धनात्मक परिमेय संख्या तथा m और n कोई दो धन पूर्णांक हो, तो

$$a^m \times a^n = a^{(m+n)}$$

नियम-2 एक ही आधार वाली घातांकीय संख्याओं का भाग -

उदाहरण – $2^7 \div 2^3$ का मान ज्ञात कीजिए।

$2^7 \div 2^3 = 2^7/2^3 = 2x2x2x2x2x2x2/2x2x2$

$= 2x2x2x2$

$= 2^4$

इस प्रकार $2^7 \div 2^3 = 2^7/2^3 = 2^{7-3}$

$= 2^4$

अत: हम व्यापक रूप से कह सकते हैं कि यदि a एक शून्येत्तर धनात्मक परिमेय संख्या तथा m और n कोई दो धनात्मक पूर्णांक है जहां m > n , तो

$$a^m \div a^n = a^{(m-n)}$$

नियम-3 किसी घात वाली संख्या पर यदि घात हो

उदाहरण – $[(5)^3]^4 = (5)^3 x (5)^3 x (5)^3 x (5)^3$

$= (5x5x5) x (5x5x5) x (5x5x5) x (5x5x5)$

$= 5x5x5x5x5x5x5x5x5x5x5x5$

$= (5)^{12}$

$[(5)^3]^4 = (5)^{(3x4)}$

अत: हम व्यापक रूप से कह सकते हैं कि यदि a एक शून्येत्तर धनात्मक परिमेय संख्या तथा m और n कोई दो धनात्मक पूर्णांक हो तो

$$[(a)^m]^n = (a)^{(mxn)}$$

अभ्यास कार्य 8

प्रश्न- सरल करें:

(i) $(3)^7 \times (3)^8$

(ii) $(6)^4 \times (6)^2 \div (6)^5$

(iii) $(5)^9 \times (5)^4 \div (5)^8$

(iv) $[(3)^4]^2$

(v) $(4)^5 \div (4)^2$

अभ्यास कार्य 7 के उत्तर

हल (1) $-\frac{32}{243}$

हल (2) 5^5

हल (3) 128

हल (4) क्षेत्रफल= (5 भुजा)^2

हल (5)(क) 144 (ख) 800

हल (6) 15625= 5^6

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- अर्पण कुमार आर्य (बरेली) / मन्जू सिंह जादौन (अलीगढ़) 9458278429

विषय- गणित पाठ-2 (घातांक) कक्षा - 7

प्रकरण- घातांक की अवधारणा क्रमांक - 7

मिशन शिक्षण संवाद

घातांक

किसी संख्या को लगातार अपने से दो या अधिक बार गुणा किया जाता है। जितने बार गुणा किया जाता है, वह उस संख्या की 'घात' कहलाता है। घात को संख्या के ऊपर दाहिनी ओर थोड़ा हटाकर लिखा जाता है; इस प्रकर

$$3^4 = 3\times3\times3\times3 = 81$$

घातक्रिया में दो संख्याएँ उपयोग की जाती हैं- आधार (base) a एवं घातांक (exponent) n, जब n धन पूर्णांक होता है तो घातांकन a का स्वयं से बार-बार गुणन को दर्शाता है।

$$a^n = \underbrace{a \times \cdots \times a}_{n},$$

उदाहरण 1: 64 को घातांक में लिखिए।

हल : 2X2X2X2X2X2= 64

संख्या 2 गुणन में 6 बार लगातार प्रयुक्त

$=2^6$

यहाँ संख्या 64 को घातांक रूप में व्यक्त करने के लिए आधार संख्या 2 तथा घात 6 की संख्या प्रयुक्त हुई है।

पुन: लिखिए 64= 4X4X4 यहाँ संख्या 4 गुणन में 3 बार लगातार प्रयुक्त है इसलिए $64= 4^3$

$64= 2^6 = 4^3$ है

$2^6 = 4^3$ सीधे-सीधे लिखा जा सकता है।

इसे एक तालिका से समझे

घात रुप	गुणा रुप	मान	आधार	घात
2^3	2×2×2	8	2	3
3^2	3×3	9	3	2
5^4	5x5x5x5	625	5	4

जब आधार ऋणात्मक हो

- n कोई प्राकृतिक संख्या होने पर, $[\text{धन पूर्णांक}]^n$ = धन पूर्णांक
- n सम प्राकृतिक संख्या होने पर, $[\text{ऋण पूर्णांक}]^n$ = धन पूर्णांक
- n विषम प्राकृतिक संख्या होने पर, $[\text{ऋण पूर्णांक}]^n$ = ऋण पूर्णांक

$$(-2)^3 = (-2) \times (-2) \times (-2) = -8$$

$$(-2)^4 = (-2) \times (-2) \times (-2) \times (-2) = +16$$

जब घात ऋणात्मक हो

अगर किसी संख्या की घात में ऋणात्मक चिन्ह है तो फिर वह संख्या 1 के भाग में चली जायेगी एवं उसकी घात धनात्मक हो जायेगी।

$$a^{-m} = (1/a)^m$$

$$\left(\frac{a}{b}\right)^{-m} = \left(\frac{b}{a}\right)^m$$

जब घात शून्य हो:-

शून्य के अलावा अगर कोई भी संख्या के ऊपर अगर 0 घात है तो उसका मान 1 हो जाएगा। $a^0 = 1$

अभ्यास कार्य 7

प्रश्न (1) $\left(-\frac{2}{3}\right)^5$ का मान के होगा।

प्रश्न (2) 3125 को घात रूप मे लिखे।

प्रश्न (3) 2 की घात 7 का मान बताए।

प्रश्न (4) एक वर्गाकार क्यारी की एक भुजा 5 मीटर है। इसका क्षेत्रफल घातीय रुप में लिखिए।

प्रश्न (5) सरल करे

(क) $2^4 \times 3^2$

(ख) $(-2)^3 \times (-10)^3$

प्रश्न (6) 15625 के अभाज्य गुणनखंड ज्ञात कर 15625 को आधार 5 पर घातीय संकेतन के रूप में व्यक्त कीजिए।

अभ्यास कार्य 5 के उत्तर

हल (1) (क) $\frac{-9}{20} < \frac{6}{-15} = \frac{-2}{5} < \frac{18}{20}$

(ख) $\frac{-8}{10} < \frac{10}{-30} < \frac{1}{15} < \frac{-20}{-60}$

हल (2) (क) $\frac{-17}{-30} > \frac{-5}{20} > \frac{3}{-10} > \frac{10}{-15}$

(ख) $\frac{19}{20} > \frac{-4}{20} > \frac{7}{-30} > \frac{-8}{10}$

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- अर्पण कुमार आर्य (बरेली) / मन्जू सिंह जादौन (अलीगढ़)

विषय- गृह शिल्प पाठ- स्वच्छता कक्षा -7

प्रकरण- जल स्वच्छता क्रमांक- 4

मिशन शिक्षण संवाद

हमारे जीवन में शुद्ध एवं ताजी हवा, स्वच्छ जल और संतुलित भोजन का महत्वपूर्ण स्थान है। इनकी कमी से तरह-तरह की बीमारियाँ हमारे शरीर में हो जाती हैं। अतः इनकी स्वच्छता पर ध्यान देना आवश्यक है।

जल की स्वच्छता

जल मानव की मूलभूत आवश्यकताओं में से एक है। हम प्रतिदिन नहाने, धोने, पीने तथा कई अन्य कार्यों के लिए जल का उपयोग करते हैं। हमारे शरीर में लगभग 70 प्रतिशत जल रहता है। प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन पीने के लिए लगभग दो से तीन लीटर तक पानी की आवश्यकता होती है। तालाबों, नदियों, कुओं तथा नहरों आदि के पानी को पीने में उपयोग किया जाता है। उसी जल का प्रयोग कुछ व्यक्ति, पशुओं को पानी पिलाने, नहलाने, स्वयं के नहाने, कपड़े धोने तथा बर्तनों को साफ करने में करते हैं, जिससे जल दूषित हो जाता है। लोग नदी एवं तालाब के आस-पास शौच भी करते हैं। इनसे कीटाणु पानी में पहुँचते हैं और उसे दूषित कर देते हैं। इसी पानी को हम अपने दैनिक जीवन में उपयोग करते हैं। बड़े-बड़े कल-कारखानों से निकलने वाले हानिकारक रासायनिक पदार्थ पानी में मिलते हैं, जिससे भी पानी दूषित हो जाता है।सम्पूर्ण भारत में पाई जाने वाली सभी बीमारियों में लगभग 40: बीमारियाँ अकेले अशुद्ध पानी पीने के कारण फैलती है।

प्रदूषित जल से होने वाली हानियाँ

प्रदूषित जल से हैजा, खुजली, पेचिश, पाचन एवं त्वचा संबंधी रोग होते हैं। प्रदूषित जल में जलीय वनस्पतियाँ अच्छी तरह पनप नहीं पाती हैं।

मानव शरीर में जल का उपयोग

हमारे शरीर में जल निम्नांकित कार्यों में उपयोगी है:-

* पाचन क्रिया को सही रखता है।
* जल हमारी प्यास बुझाता है।
* शरीर के हानिकारक तत्वों को पसीने व मल-मूत्र के द्वारा शरीर से बाहर निकालने में सहायता करता है।
* यह खून को तरल बनाता है तथा शारीरिक तापमान को स्थिर बनाए रखता है।
* शरीर को स्वच्छ रखने में सहायक है।

अपने साथियों से चर्चा करके दूषित जल से होने वाली

अभ्यास कार्य

(क) प्रदूषित जल से होने वाले रोगों के नाम लिखिए
(ख) हमारे जीवन मे जल का क्या प्रयोग है?
(ग) जल को स्वच्छ रखने के लिए आप क्या-क्या उपाय करेंगे ?
(घ) जल ही जीवन है पर 5 वाक्य लिखो

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रीना स. अ. प्रा. वि. चौकरी बंगरा झाँसी 9458278429

विषय- गृह शिल्प पाठ- स्वच्छता कक्षा -7

प्रकरण- वायु स्वच्छता क्रमांक- 5

मिशन शिक्षण संवाद

वायु की शुद्धता-वायु हमारे जीवन का मुख्य आधार है। इसके अभाव में हम जीवित नहीं रह सकते हैं। मनुष्य ही नहीं बल्कि पेड़-पौधे व सभी प्राणियों के लिए वायु एक अनिवार्य तत्व है। शुद्ध वायु शरीर में प्रवेश कर रक्त को शुद्ध करती है, जिससे शरीर स्वस्थ रहता है।

प्रदूषित वायु से होने वाली हानियाँ

अशुद्ध वायु में साँस लेने से कष्ट होता है तथा श्वास संबंधी रोग होने की संभावना रहती है।

वाहनों से निकलने वाले धुएँ में सीसा, हाइड्रोकार्बन आदि प्रदूषक होते हैं। इनसे हमारे फेफड़े, त्वचा तथा अन्य अंग प्रभावित होते हैं।

ईंधन के पूर्ण जलने से कार्बन डाई ऑक्साइड गैस बनती है। इसके अपूर्ण दहन से कार्बन डाई ऑक्साइड के साथ कार्बन मोनो-ऑक्साइड नामक विषैली गैस भी निकलती है। इसमें साँस लेने से दम घुटने एवं मिचली की शिकायत होती है। इसकी अधिकता से कभी-कभी मृत्यु भी हो सकती है।

कोयला और पेट्रोल में कुछ मात्रा में गंधक भी होता है। यह जलने पर सल्फर डाई ऑक्साइड छोड़ता है। यह त्वचा, फेफड़ों आदि को प्रभावित करता है।

अशुद्ध वायु के कारण व्यक्ति की रोगों से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है।

सिगरेट या धूम्रपान से निकलने वाला धुआँ व्यक्ति के फेफड़ों को हानि पहुँचाता है।

आस-पास की स्वच्छता एवं वृक्षारोपण

उत्तम स्वास्थ्य के लिए अपने घर एवं विद्यालय के आस-पास की स्वच्छता का विशेष महत्व है। इसके लिए हमें निम्नलिखित बातों पर ध्यान रखना अतिआवश्यक है-

घर एवं विद्यालय से गंदा पानी निकलने की उचित व्यवस्था हो।

आस-पास गंदा पानी इकट्ठा न होने दें। समय-समय पर कीटाणु नाशक दवा का छिड़काव कराएं।

घर/विद्यालय आदि के कूड़े-कचरे को यथास्थान कूड़ेदान में डालें।

पॉलीथीन का प्रयोग न करें। उसके स्थान पर कपड़े की थैलियों का प्रयोग करें।

वातावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाएँ एवं उसकी देखभाल करें।

घर/विद्यालय में निर्मित शौचालय का प्रयोग करें, खुले में शौच न करें।

अभ्यास कार्य

(1) प्रदूषित वायु से होने वाले रोगों के नाम लिखिए

(2) हमारे जीवन मे वायु का क्या प्रयोग है?

(3) वायु को स्वच्छ रखने के लिए आप क्या-क्या उपाय करेंगे ?

(4) वृक्षारोपण पर 5 वाक्य लिखो ।

(5) आस पास की स्वच्छता क्यो जरूरी है?

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रीना स. अ. प्रा. वि. चौकरी बंगरा झाँसी

विषय- गृह शिल्प पाठ-उत्तम स्वास्थ्य कक्षा -7

प्रकरण- विटामिन क्रमांक- 3

मिशन शिक्षण संवाद

डॉ0 दीदी ने शिक्षिका को भी बताया कि-यदि आपकी कक्षा में कोई भी विशेष आवश्यकता वाले बच्चे (हाथ-पैर से कमजोर, दृष्टिबाधित, मानसिक रूप से कमजोर आदि) हैं तो उसकी ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्हें उनकी आवश्यकता अनुसार आवश्यक पोषक तत्वों से सम्बन्धित खाद्य पदार्थों को खाने के लिए कहें। ऐसे बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर उनके खान-पान की विशेष जानकारी दें।

अंत में जाते समय डॉक्टर दिव्या ने बच्चों को शुभकामनाएं दी कि 'तुम सब स्वस्थ रहो तथा खूब पढकर आगे बढ़ो और स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना योगदान दो।"
'हाँ दीदी हम ऐसा ही करेंगे'' एक स्वर में बोल उठे सारे बच्चे।

विटामिन का नाम	रासायनिक नाम	स्रोत	विटामिन की कमी से उत्पन्न होने वाले रोग व लक्षण
विटामिन 'ए'	रेटिनॉल	अंडा, पनीर, हरी सब्जी, दूध, मछली का तेल	रतौंधी, त्वचा का शुष्क पड़ जाना
विटामिन 'बी'1	थाइमीन	अनाज के छिलके, दाल, तिल, सब्जियां	बेरी-बेरी, भूख न लगना
विटामिन 'बी' 2	राइबोफ्लेविन	दूध, हरी सब्जियां, खमीर, मांस	जीभ में सूजन,मुख की त्वचा और होठों का फटना तथा आंखों का लाल हो जाना
विटामिन 'बी'3	पेंटोथेनीक अम्ल	मांस, हरी सब्जी, दूध, अंडे,गन्ना, टमाटर	त्वचा का सूख जाना, डायरिया, मानसिक असंतुलन
विटामिन 'बी' 5	नियासिन	आलू टमाटर मूंगफली, पत्ति वाली सब्जियां	बाल सफेद होना, मंदबुद्धि
विटामिन 'बी'6	पायरीडॉक्सिन	दूध, कलेजी, हरी सब्जियां	एनीमिया, वृद्धि कम होना, चिड़चिड़ापन, त्वचा संबंधी समस्याएं, शिशु के शरीर में ऐंठन
विटामिन 'बी' 7	निकोटिनिक अम्ल	दूध, मांस, यकृत, अंडा	पैलाग्रा
विटामिन 'बी'12	कोबालमिन	यकृत, मांस, दूध	सांघातिक अरक्तता
विटामिन 'सी'	एस्कार्बिक अम्ल	टमाटर, संतरा, खट्टे पदार्थ, मिर्च, अंकुरित अनाज, आलू	स्कर्वी रोग, हड्डियों का कम विकास, घावों का देर से भरना, मसूड़ों से खून बहना
विटामिन 'डी'	कैल्सिफेरॉल	मक्खन, मांस-मछली, यकृत, अंडे की जर्दी, सूर्य का प्रकाश	रिकेट्स, अस्थियों की कोमलता तथा टेढ़ापन, दांतों का विकास न होना, दंतक्षय
विटामिन 'ई'	टेकोफेरॉल	दूध मक्खन हरी सब्जियां तेल कलेजी आदि	बांझपन, एनीमिया
विटामिन 'के'	नेफ्थोक्विनोन	टमाटर हरी सब्जियां	रक्त स्कंदन
फोलिक अम्ल	तेरोईल ग्लूटेमिक	दाल, अंडा, यकृत, सेम, सब्जियां	

स्वास्थ्य ही जीवन है

राधिका के पिता एक गरीब रिक्शा चालक थे। राधिका अपने तीन बहनों में सबसे बड़ी थी। उसके पिता ने गरीबी के कारण 15 वर्ष की आयु में राधिका की शादी 40 वर्ष के एक व्यक्ति से करा दी। गरीबी के कारण वो पढ़ भी नहीं सकी। उसका पति शराब पीकर उसे मारता-पीटता था और उसे खाना भी नहीं देता था, 16 वर्ष की आयु में वह माँ बन गई। सही ढंग से खाना-पीना न मिलने के कारण वह कुपोषण का शिकार हो गई। डाक्टर ने बताया कि माँ एवं गर्भ में पल रहा बच्चा दोनों ही कुपोषण से ग्रसित हैं। गरीब होने के कारण वो अपना इलाज भी नहीं करा पा रही थी। वो सोच रही थी कि काश, मेरे माता-पिता ने मुझे भी पढ़ाया होता, तो आज मैं खुद अर्थोपार्जन कर अपने बच्चे की जान बचा सकती थी।

अभ्यास कार्य

(1) विटामिन 'ए' की कमी से होने वाला रोग तथा विटामिन ए के स्रोत बताओ

(2) शरीर को स्वस्थ रखने के लिए किस प्रकार का आहार आवश्यक है ?

(3) विटामिन डी के स्रोत बताओ

(4) घेंघा रोग के कारण, लक्षण एवं उपचार लिखिए।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रीना स. अ. प्रा. वि. चौकरी बंगरा झाँसी

कविता का सार

نظم کا خلاصہ

बच्चों पिछले दो पाठ में हमने अपने वतन कविता की वह पंक्तियां पड़ी जिनमें हाली ने अपने वतन हिंदुस्तान से बेइंतहा मोहब्बत का इजहार किया है और क़ौम की बदहाली का तज़करा बहुत दर्दनाक अंदाज में बयान किया है ।आज हम इस नज़्म के आखिरी पंक्तियों का अध्ययन करेंगे इंतजार में हाल ही में क़ौम के नौजवानों को बेदार करने की कोशिश की है हाली फरमाते हैं कि अगर इज्जत चाहते हो तो अपने वतन के लोगों से मोहब्बत करो, जो क़ौम दुनिया में मुमताज होती है वह गरीबी में भी इज्जत पाती है वह दौर गुजर गया जब लोग अपनी जात और नस्ल पर गुरूर करते थे। अब वह दिन दूर नहीं जब बे हुनर इंसान को भीख भी नहीं मिलेगी।

بچوں پچھلے دو اسباق میں ہم نے حب وطن نظم کے وہ اشعار پڑھے جن میں حالی نے اپنے وطن ہندوستان سے والہانہ محبت کا اظہار کیا ہے۔ اور قوم کی بدحالی کا تذکرہ بہت پرسوز انداز میں بیان کیا ہے آج ہم اس نظم کے آخری اشعار کا مطالعہ کریں گے ان اشعار میں حالی نے قوم کے نوجوانوں کو بیدار کرنے کی کوشش کی ہے حالی فرماتے ہیں کہ اگر عزت چاہتے ہو تو اپنے وطن کے لوگوں سے محبت کرو جو قوم دنیا میں ممتاز ہوتی ہے وہ غریبی میں بھی عزت پاتی ہے وہ دور گزر گیا جب لوگ اپنی ذات اور نسب پر فخر کرتے تھے اب وہ دن دور نہیں جب بے ہنر انسان کو بھیک بھی نہیں ملے گی

अभ्यास कार्य

मश्क़

शब्द=अर्थ

मुबतज़िल=बे क़दर

मुमताज़=नुमायां

इफ़्तिख़ार=इज्ज़त

तरजीह=बरतरी

सय्यद=सरदार

प्रश्न, कोई दिन में वह दौर भी आएगा
बे हुनर भीख भी न पाएगा।
हाली इन पंक्तियों में किसे बेदार कर रहे हैं?

नोट, बच्चे इस कविता के सार को अपने शब्दों में कापी पर लिखें।

الفاظ=معنی

مبتذل=بے قدر

ممتاز=نمایاں

افتخار=عزت

ترجیح=برتری

سید=سردار

سوال۔کوئی دن میں وہ دور آئے گا
بے ہنر بھیک تک نہ پائیگا
حالی ان اشعار میں کسے بیدار کر رہے ہیں؟
نوٹ۔۔بچے اس نظم کا خلاصہ اپنے الفاظ میں کاپی پر لکھیں۔

مشق

अभ्यास कार्य

بچو ہم نے نظم حب وطن کا مطالعہ کیا۔ اب ہم اس نظم کی مشق کریں گے جو الفاظ و معنی دیے جا رہے ہیں ان کو یاد کرنا ہے ۔اور سوالات کے جواب اپنی کاپی میں تحریر کرنا ہے ۔

बच्चों हमने नज़्म हुब्बे वतन का मुताला किया। अब हम इस नज़्म के मश्क़ करेंगे जो अल्फाजों मानी दिए जा रहे हैं उनको याद करना है और सवाल जवाब अपनी कॉपी में तहरीर करना है।

الفاظ=معنی
حب=محبت
صنف=قسم
قافیہ=تک بندی
مقرر=طے
بد خواہ=برا چاہنے والا
بلا=مصیبت
نباتات=وہ چیزیں جو زمین سے اگتی ہیں۔
مشت=مٹھی
بہشت=جنت
نشونما=پیداوار

शब्द=अर्थ
हुब्ब=मुहब्बत
सिन्फ़=क़िस्म
क़ाफ़िया=तुकबंदी
मुकर्रर=तय
बद ख़ुआ=बुरा चाहने वाला
बला=मुसीबत
निबातात=वह चीज़ें जो ज़मीन से उगती हैं
मुश्त=मुठ्ठी
बहिश्त=जन्नत
नुशुनुमा=पैदावार

سوال۔۔بیٹھے بے فکر..........وہ بلا آئ
حالی نے نظم کے ان اشعار میں اہل وطن کو کیا پیغام دیا ہے؟
سوال۔۔قومی یکجہتی سے کیا فائدہ ہے؟
سوال۔۔حالی نے اس نظم کو نظم کی کس صنف میں لکھا ہے؟
سوال۔۔کس سے نشو نما ہوتی ہے؟

प्रश्न, बैठे बे फ़िक्र............. वह बला आई।
नज़्म के इन अशआर में हाली अहले वतन को क्या पैग़ाम दे रहे हैं?
प्रश्न, क़ौमी एकता से क्या फायदा है?
प्रश्न,किस से नुशुनुमा होती है?
प्रश्न, हाली ने इस नज़्म को नज़्म की किस सनफ़ में लिखा है?

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- तस्लीम रज़ा ख़ां

विषय-उर्दू   पाठ-हातिम ताई   प्रकरण-क्रमांक 1   कहानी   कक्षा - 7

मिशन शिक्षण संवाद

उन दोनों की बातें हातिम ने सुनी और इंसानियत के नाते वह ग़ार से बाहर निकल आया हातिम ने बूढ़े से कहा कि मुझे बादशाह के पास ले चलो और अपना इनाम पाओ पीर मर्द ने कहा कि इसमें मेरी भलाई जरूर है मगर कहीं बादशाह ने तुम्हें खत्म कर दिया तो मैं खुदा को क्या मुंह दिखाऊंगा इतने में भीड़ जमा हो गई और हातिम को लोग पकड़कर बादशाह नौफ़िल के पास ले गए।
हर शख्स कह रहा था कि इसे इसे मैं आपके पास लेकर आया हूं बूढ़ा सबकी शेख़ियां सुन रहा था हातिम ने कहा कि नहीं वह बूढ़ा मुझे लाया है बादशाह ने झूठ बोलने वालों को 500 जूतियां लगवाई और हातिम की फराख़ी और ईमानदारी को देखकर बूढ़े शख्स को पांच सौ अशर्फियां दीं और हातिम का जो माल क़रक़ किया था सब वापस किया।
नोफ़िल ने सोचा कि ऐसे खुदा तरस इंसान को परेशान करना बहुत बड़ा गुनाह है।तो बच्चों हमें इससे यह तालीम मिलती है कि हम लोगों की भलाई के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दें यही इंसानियत का सबसे बड़ा सताता है।

بچوں ہم نے کہانی کی مصنف اور حاتم طائی اور بادشاہ کے بارے میں پڑا بڑا اب ہم کہانی کا آخری حصہ پڑھیں گے.
بوڑھے اور اس کی بیوی کی باتیں سن کر انسانیت کے ناتے حاتم طائی غار سے باہر نکل آیا .ہاں تم نے بوڑھے سے کہا مجھے بادشاہ کے پاس لے چلو اور اپنا انعام پاؤ.پیرمرد نے کہا اس میں میری بھلائی ضرور ہے مگر کہیں بادشاہ تمہیں قتل نہ کر دے یا اس نے تمہیں قتل کر دیا تو میں خدا کو کیا منہ دکھاؤں گا .اتنے میں بھیڑ جمع ہو گئی اور ہاتم کو لوگ پکڑ کر بادشاہ نوفل کے پاس لے گئے..
ہر شخص کہہ رہا تھا کہ اسے میں آپ کے پاس لے کر آیا ہوں ہو.بوڑھا ایک طرف خاموش سب کی شیخیاں سن رہا تھا .سب کی لنترانی سن کر ہاتم نے کہا کہ نہیں وہ بوڑھا مجھے لایا ہے.
بادشاہ نے جھوٹ بولنے والوں کو 500 جوتیاں لگوائی اور حاتم کی فراخی اور ایمانداری کو دیکھ کر بوڑھے شخص کو پانچ سو اشرفیاں دیں اور ہاتم

کا جو مال قرق کیا تھا سب واپس کیا.نوفل نے سوچا کہ ایسے خدا ترس آدمی کو دشمنی رکھنا بہت بڑا گناہ ہے بچوں ہمیں اس کہانی سے یہ تعلیم ملتی ہے کہ ہم دوسروں کی بھلائی کے لیے لئے اپنا سب کچھ قربان کر دیں یہی انسانیت کا سب سے بڑا تقاضہ ہے.

مشق

शब्द=	अर्थ	معنی	الفاظ
रद्दो बदल=	उखाड़ पछाड़	اکھاڑ پچھاڑ	ردوبدل-
लन तरानी=	बड़ाई	بڑائی	لن ترانی-
फ़तह=	कामयाबी	کامیابی	فتح-

व्याकरण

बच्चो हमारे मुंह से कुछ अर्थ वाले शब्द निकलते हैं। जिन्हें कलमा कहते हैं। जैसे किताब,क़लम,जूता,खाना आदि।
और कुछ बिना अर्थ वाले शब्द निकलते हैं, जिन्हें मुहमल कहते हैं।
जैसे,विताब,वलम,वूता,वाना।
आप अपनी कापी पर ऐसे दस मुहमल अल्फ़ाज़ लिखिए।

قواعد

ہمارے منہ سے کچھ معنی دار آوازیں نکلتی ہیں.انہیں کلمہ کہتے ہیں.جیسے کھانا،کپڑا،جوتا،قلم،وغیرہ.
کچھ آوازیں بے معنی نکلتی ہیں جو کلمہ کے ساتھ ہی بولی جاتی ہیں.انہیں مہمل کہتے ہیں.جیسے،وانا،وپڑا،ووتا،ولم،وغیرہ .
بچواپ ایسے ہی دس مہمل الفاظ اپنی کاپی میں تحریر کرو

प्रश्न,, हमें दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?
प्रश्न,, झूठ बोलने वालों को बादशाह ने क्या सज़ा सुनाई?

سوال...ہمیں دوسروں کے ساتھ کیسا سلوک کرنا چاہئے؟
جھوٹ بولنے والوں کو بادشاہ نے کیا سزا دی؟

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- तस्लीम रज़ा ख़ां

विषय- **कंप्यूटर** पाठ- **कंप्यूटर** कक्षा -UPS

प्रकरण- **कंप्यूटर के प्रकार** क्रमांक- **4**

मिशन शिक्षण संवाद

आकार एवं कार्य के आधार पर कंप्यूटर का विभाजन

. माइक्रो कम्प्यूटर (Micro Computer)
यह कम्प्यूटर आकार में छोटे होते है एवं कम गति से कार्य करते हैं। इन्हें पर्सनल कम्प्यूटर कहते हैं। इस कम्प्यूटर में माइक्रो प्रोसेसर का प्रयोग किया जाता है। इसमें एक सी.पी.यू., एक मॉनीटर, की-बोर्ड एवं एक माउस लगा होता है।

2. मिनी कम्प्यूटर (Mini Computer)
यह माइक्रो कम्प्यूटर से बड़ा तथा अधिक क्षमता का होता है और माइक्रोकम्प्यूटर की तुलना में अधिक तेजी से कार्य करता है इनकी संग्रहण क्षमता भी अधिक होती है।

3. मेनफ्रेम कम्प्यूटर (Mainframe Computer)
यह कम्प्यूटर आकार में माइक्रो एवं मिनी कम्प्यूटर से बड़ा होता है। ये अति उच्च संग्रह क्षमता वाले बहुत बड़े कम्प्यूटर होते हैं। इनका प्रयोग बैंकों, बड़ी कम्पनियों एवं सरकारी विभागों में होता है।

4. सुपर कम्प्यूटर (Super computer)
ये कम्यूटर सबसे बड़े आकार के होते हैं। यह कम्प्यूटर तेज गति एवं अत्यधिक संग्रह क्षमता वाले होते हैं। सुपर कम्प्यूटर में अनेक सी.पी.यू. होते हैं। भारत का पहला सुपर कम्प्यूटर परम-1000 है।

कम्प्यूटर के प्रकार

गृहकार्य

प्र.1 आकर एवम् कार्य के आधार पर कंप्यूटर के कितने प्रकार होते हैं?

प्र2. माइक्रो कंप्यूटर को और किस नाम से जाना जाता है?

प्र3. भारत के पहले सुपर कंप्यूटर का क्या नाम है?

उत्तरमाला (क्रमांक 3)

उ1. तीन प्रकार के।

उ2. डिजिटल कंप्यूटर में बाइनरी अंकों (0, 1) का प्रयोग होता है।

उ3. हाइब्रिड कंप्यूटर एनालॉग और डिजिटल कंप्यूटर का कॉम्बिनेशन होता है।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- भारती मांगलिक, बुलंदशहर

हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर

कम्प्यूटर को मुख्यत: दो भागों में विभाजित किया जा सकता है -

1. हार्डवेयर 2. सॉफ्टवेयर

हार्डवेयर

कम्प्यूटर के वे सभी पार्टर्स जिन्हें हम हाथों से छू सकते हैं व देख सकते हैं उन्हें हार्डवेयर कहते हैं। ये कम्प्यूटर के यांत्रिक तथा इलेक्ट्रॉनिक भाग हो सकते हैं।

जैसे मॉनीटर, सी.पी.यू., स्पीकर, की-बोर्ड, प्रिंटर, स्कैनर आदि को हार्डवेयर कहते हैं।

कम्प्यूटर में निम्नलिखित हार्डवेयर का प्रयोग करते हैं।

* इनपुट डिवाइस * आउटपुट डिवाइस * सेन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (सी.पी.यू.)

1. इनपुट डिवाइस:--

कम्प्यूटर में जिन डिवाइसों द्वारा निर्देश एवं डाटा को उपलब्ध कराया जाता है उन्हें इनपुट डिवाइस कहते हैं। जैसे - की-बोर्ड, माउस, स् कैनर, टच स्क्रीन, वेब कैमरा, लाइटपेन आदि।

2. आउटपुट डिवाइस:--

कम्प्यूटर में वे डिवाइस जिनके माध्यम से कम्प्यूटर सिस्टम से सूचना या रिजल्ट को हार्ड्डकापी के रूप में (प्रिंटर पर) या सॉफ्टकॉपी के रूप में (मॉनीटर पर) प्रदान करती हैं। जैसे-मॉनीटर, प्रिन्टर, स्पीकर, मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर्स आदि।

3. सेन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (सी.पी.यू.):--.

सी.पी.यू. कम्प्यूटर का मस्तिष्क होता है जिस प्रकार मनुष्य प्राप्त आँकड़ों का अपने मतिष्क में प्रोसेस करता है उसी प्रकार सी.पी.यू. इनपुट किये गये डेटा को प्रोसेसिंग करके उसका निष्कर्ष आउटपुट डिवाइस पर दे देता है।

गृहकार्य

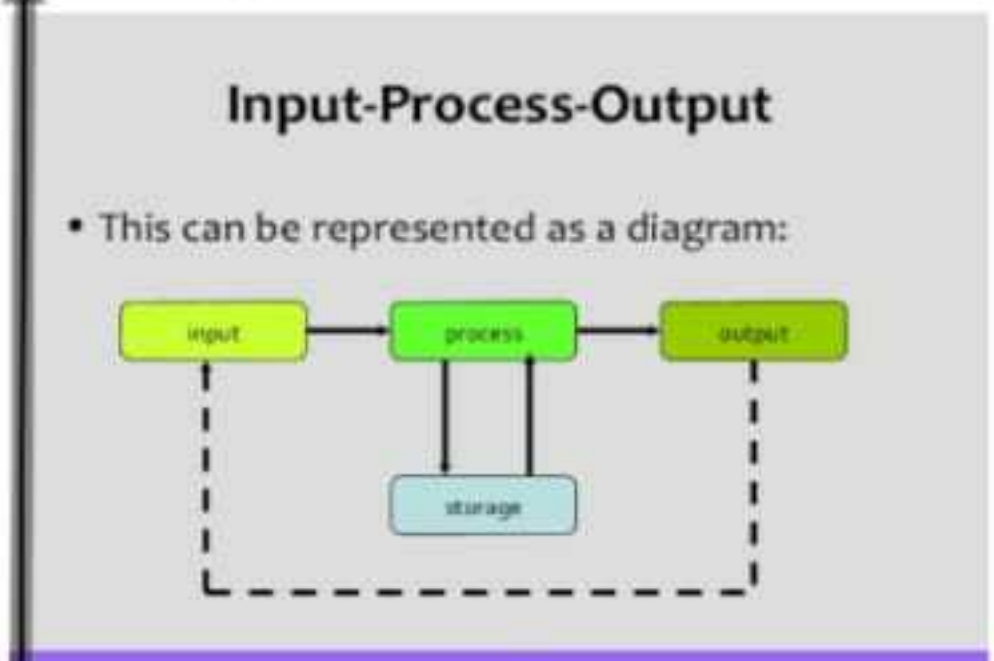

सही कथन के सामने सही (✓) तथा गलत के सामने गलत (X) का चिन्ह लगाए—

(क) प्रिन्टर कम्प्यूटर का इनपुट यन्त्र है।

(ख) विभिन्न प्रोग्राम कम्प्यूटर सॉफ्वेयर कहलाते हैं।

(ग) माउस कम्प्यूटर का इनपुट यन्त्र है।

(घ) सी.पी.यू. कम्प्यूटर का मस्तिष्क होता है।

उत्तरमाला (क्रमांक-4)

उ.1 4 प्रकार

उ.2 पर्सनल कम्प्यूटर

उ.3 परम-1000

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- भारती मांगलिक बुलदशहर

मिशन शिक्षण संवाद

स्वास्थ्य सम्बन्धी भ्रान्तियाँ दूर करें

ऐसा सोचना गलत है कि-

मोटा होना अच्छे स्वास्थ्य का सूचक है।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए मँहगे फल खाना जरूरी है।

पोलियो ड्रॉप पीने से बुखार आ जाता है।

लड़कियों को खेलकूद में भाग नहीं लेना चाहिए।

सफेद दाग (ल्यूकोडर्मा) के रोगी के पास नहीं बैठना चाहिए।

चेचक निकलने पर झाड़फूँक कराना चाहिए।

इसे भी जानें

जानें और दूसरों को बताएँ

स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है कि हम रूढ़ियों को न मानें। रोगों को दूर करने के लिए डॉक्टर की सलाह लें।

पोलियो जैसी खतरनाक बीमारी को समूल नष्ट करने के लिए समय-समय पर बच्चों को पोलियो की खुराक निश्चित रूप से पिलवाएँ।

मानसिक रोगों से बचाव के लिए झाड़फूँक के चक्कर में न पड़कर मानसिक चिकित्सक से इलाज कराएँ।

शारीरिक और मानसिक विकास के लिये लड़के-लड़कियों को समान रूप से खेलों में भाग लेना चाहिये तथा योगासन और प्राणायाम करना चाहिए।

कृमि संक्रमण एवं एनीमिया से बच्चों का शारीरिक एवं बौद्धिक विकास प्रभावित होता है।

कृमि नियंत्रण के लिए एल्बेंडजॉल की दवा दी जाती है। कृमि नियंत्रण की दवाई खाने के साथ-साथ कृमि संक्रमण को रोकने के लिए नाखून छोटे रखें, हमेशा साफ पानी पिएँ, सब्ज़ियों एवं फलों को साफ पानी से धोएँ, खुले में शौच न करें एवं पैरों में जूते व चप्पल पहनें।

उत्तरमाला पेज - 7

1. खाना खाने से पहले हमें अपने हाथ साबुन से धोने चाहिए।
2. खाना समय से खाना चाहिए।
खाना खाने से पहले हाथों को साबुन से धोना चाहिए।
साफ़ जल ही पीना चाहिए।
सुबह को व्यायाम करना चाहिए।
3. टहलना चाहिए और व्यायाम करना चाहिए।

अभ्यास प्रश्न

1. पोलियो जैसी खतरनाक बीमारी से बचने के लिए हमें क्या करना चाहिए?
2. कृमि संक्रमण रोकने के लिए हमें क्या उपाय करना चाहिए?
3. स्वस्थ रहने के लिए क्या करना चाहिए?

विषय-हिन्दी व्याकरण पाठ- कक्षा -6, 7, 8

प्रकरण- विकारी एवं अविकारी शब्द क्रमांक-9

मिशन शिक्षण संवाद

आज हम विकारी व अवकारी शब्दों के बारे में जानेंगें।

प्रयोग के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण प्रयोग के आधार पर शब्दों को दो भागों में विभक्त किया गया है-

1. विकारी शब्द (Declinable Words)- उपयोग करते समय जिन शब्दों में कुछ परिवर्तन आ जाता है, उन्हें

*विकारी शब्द' कहते हैं। यह परिवर्तन शब्दों का विकार कहलाता है। यह विकार लिंग, वचन अथवा कारक के प्रभाव से उत्पन्न होता है; जैसे-लड़का, लड़के, लड़कियाँ, मेरा, मेरी, मेरे आदि। विकारी शब्द निम्नलिखित चार प्रकार के होते हैं-(1) संज्ञा, (2) सर्वनाम, (3) विशेषण. (4) क्रिया।

2. अविकारी शब्द (Indeclinable Words) - जिन शब्दों के रूप में किसी भी कारण से परिवर्तन नहीं आता,

अविकारी शब्द' कहलाते हैं; जैसे-किन्तु. परन्तु. यहाँ, वहाँ आदि। अविकारी शब्दों के चार भेद हैं-क्रियाविशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधबोधक, विस्मयादिबोधक।

याद रखिए-

1. वर्ग या वर्णों का ऐसे समूह, जिसका कोई अर्थ होता है उसे 'शब्द' कहते हैं।

2. शब्दों के भेद चार आधारों पर किए गए हैं-

(क) अर्थ के आधार पर, (ख) रचना के आधार पर (ग) उत्पत्ति के आधार पर (घ) प्रयोग के आधार पर

गृहकार्य-

क-विकारी व अविकारी शब्दों की परिभाषा याद करके लिखें।

ख-विकारी शब्दों के भेद लिखें।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbv kasganj 9458278429

विषय- चित्रकला पाठ- नाव कक्षा -UPS

प्रकरण- शिल्प कला क्रमांक -

मिशन शिक्षण संवाद

आओ बच्चों कागज मोडकर नाव बनायें।

मैंने सुन्दर चित्र बनाकर अपनी नाव को सजाया है आप भी अपना मनपसंद चित्र बनाकर नाव सजायें।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नीरा चौहान प्र०वि०फुगाना–2,मुजफ्फरनगर

विषय- हमारा पर्यावरण पाठ- जल संचयन एवं पुनर्भरण कक्षा - जूनियर

प्रकरण- संचयन एवं पुनर्भरण की विधियां क्रमांक- 8

मिशन शिक्षण संवाद

संचयन एवं पुनर्भरण की विधियाँ

1-पुनर्भरण पिट(गड्ढा)-

इसमें वर्षा जल को छतों से गड्ढे इकट्ठा कर प्रयोग में लाया जाता है।शहरी क्षेत्रों के लिए यह बहुत उपयोगी है। सामान्यतः यह पिट 1 से 2 मीटर चौड़ा तथा 2 से 3 मीटर गहरा बनाया जाता है।पिट में सबसे नीचे तल में 5 से 20 सेमी बोल्डर/पत्थर के टुकड़े, उसके मध्य से 5 से 10 मीटर बजरी तथा बजरी के ऊपर मोटी रेत 1.5 से 2 मिमी भरी जाती है।वर्षा का जल मकान की छत से एक पाइप द्वारा छोटे पिट या गड्ढे के बालू पर गिरता है और छन कर साफ जल के रूप में टैंक में इकट्ठा होता है।

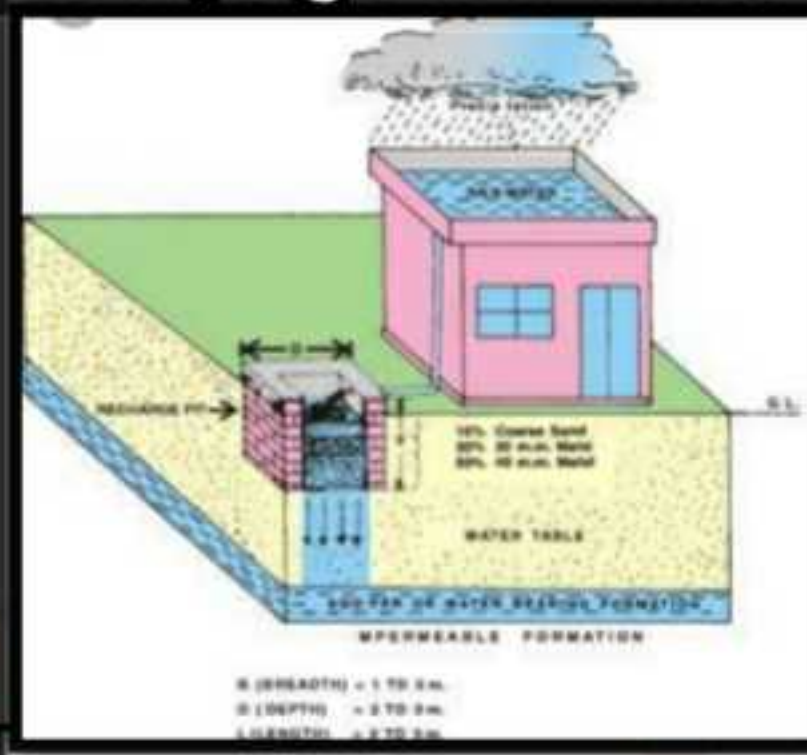

2- खाई द्वारा संचयन एवं पुनर्भरण

मकानों की छत से प्राप्त होने वाले वर्षा जल संचयन एवं पुनर्भरण के लिए खाई 0.5 से 1मीटर चौड़ी, 1 से 1.5 मीटर गहरी तथा 10 से 20 मीटर लम्बी हो सकती। छत का पानी पाइप द्वारा एक छोटे गड्ढे में गिरता है, इस गड्ढे में 5 से 20 सेमी पत्थर की गिट्टी,बीच मे 5 से 10 सेमी बजरी तथा सबसे ऊपर मोटी बालू भरा जाता है। गड्ढे से छनकर पानी खाई में इकट्ठा हो जाता है।

3-नलकूप द्वारा जल संचयन

1-नलकूपों के नीचे के जलाशय के पुनर्भरण के लिए छत के पानी को टी आकार के पाइप मे फिल्टर लगाकर छत का पानी नलकूप मे डाला जाता है।
2-छत के पानी पाइप द्वारा पहले पत्थर के टुकड़े,बजरी तथा मोटे बालू वाले गड्ढे से साफ कर नलकूप में डाला जाता है।

4-कन्टूर बांध द्वारा जल संचयन

कम वर्षा वाले स्थानों के लिए यह विधि उपयुक्त है।इस विधि से वर्षा का जल समान ऊँचाई वाले ढलान पर चारों तरफ बांध बनाकर रोका जाता है। मिट्टी के कटाव को रोकने और सिंचाई के लिए यह विधिबहुत प्रभावी है।

5-गैबियन बांध द्वारा वर्षा जल संचयन

पानी के बहते चौडे नाले के बीच पत्थर के बोल्डर डाल कर उसे लोहे की जाल से ढक देते हैं ।लोहे की जाल पत्थरों को बहने से रोकती है।यह बरसात मे व्यर्थ बह जाने वाले पानी को अधिक समय तक रोक कर भूमि के जल स्तर को बनाये रखने में मदद करता है ।

यह भी जानो-

●ढलानों और पहाड़ों पर छोटे नालों जिन्हें गली प्लग कहते हैं,द्वारा जल संचयन किया जाता है ।

●छोटी जलधाराओं पर चैकडैम का निर्माण कर जल संचयन होता है ।

6-पुनर्भरण कुओं द्वारा जल संचयन

चालू एवं बंद पड़े कुओं की सफाई के बाद पुनर्भरण के प्रयोग में लाया जाता है। पुनर्भरण जल कचरे रहित होना चाहिए और कुएँ में समय पर क्लोरीन डालनी चाहिए।

उत्तर माला पेज -7

(क)पुनर्भरण
(ख)संचयन
4-भारत जल नीति-1987
3-हिमनद जल प्रतिशत -22प्रतिशत
2-समुद्री जल -70%
1-उपयोगी जल-3%

अभ्यास कार्य

1-पहाड़ी स्थानो पर छोटे नालों को_____कहते हैं।
2-छोटी जलधाराओं पर _____ का निर्माण किया जाता है।
3-पुनर्भरण भरण पिट तथा खाई से_____से प्राप्त वर्षा जल का संचयन होता है__________
____
अपने परिवेश में पाये जाने वाले भू-जल और धरातलीय स्रोतों की सूची बनाओ

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम शीला सिंह (गाजीपुर), शबनम तौकीर(लखनऊ)

मिशन शिक्षण संवाद

कैसे स्वस्थ रहें -

हमारा स्वास्थ्य हमारे रहन-सहन के ढंग पर निर्भर करता है। यदि हम अपने दैनिक जीवन में स्वास्थ्य-सुरक्षा के नियमों का पालन करते हैं तो निश्चय ही हमारा स्वास्थ्य अच्छा होगा। स्वास्थ्य का स्वच्छता एवं नियमित जीवनयापन से घनिष्ठ सम्बन्ध है। रोगरहित एवं स्वस्थ रहने के लिए निम्नलिखित बिन्दुओं को ध्यान में रखें-

- बाजार की खुली हुई खाने की वस्तुएँ न खाएँ। ये वस्तुएँ धूल जमने एवं मक्खियों के बैठने से दूषित हो जाती हैं।
- शौचालय का प्रयोग करें।
- शौच के बाद हाथ साबुन से अवश्य धोएँ।
- खाना खाने के पहले हाथ साबुन से धोएँ।
- बासी भोजन न करें।
- गन्दे स्थानों पर नंगे पैर न घूमें। इससे सूक्ष्म रोगाणु शरीर में प्रवेश करके रोग पैदा कर देते हैं।
- शरीर को अच्छी तरह से साफ करें जिससे त्वचा के रोम छिद्र खुल जाए।
- स्नान के बाद सूखे कपड़े से शरीर को अवश्य पोछें।
- सड़े हुए एवं देर से कटे व खुले रखे हुए फल न खाएँ।
- नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करें।
- अपने दाँत, आँख, कान, नाक, नाखून, त्वचा, वस्त्र आदि की नियमित सफाई करें।
- सायंकालीन भोजन करने के बाद दाँतों की सफाई अवश्य करें।
- घर एवं आस-पास की नियमित सफाई करें। विद्यालय में खेल के मैदान को भी साफ-सुथरा रखें।
- प्रतिदिन शारीरिक व्यायाम करें जैसे-खेलना, दौड़ना, तैरना, योगासन एवं प्राणायाम आदि।

विद्यालय के चारों ओर एवं घर के आस-पास पेड़-पौधे लगवाएँ जिससे वहाँ का वातावरण शुद्ध एवं स्वास्थ्यवर्धक हो सके।

उत्तरमाला पेज - 6

1. खाना खाने से पहले हमें अपने हाथ साबुन से धोने चाहिए।
2. खाना समय से खाना चाहिए।
खाना खाने से पहले हाथों को साबुन से धोना चाहिए।
साफ़ जल ही पीना चाहिए।
सुबह को व्यायाम करना चाहिए।
3. टहलना चाहिए और व्यायाम करना चाहिए।

अभ्यास प्रश्न

1. अच्छे स्वास्थ्य के लक्षण क्या हैं?
2. बाजार की खुली हुई वस्तुओं को खाने से हमारे शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है?
3. गंदे स्थानों पर नंगे पैर क्यों नहीं घूमना चाहिए?
4. विद्यालय के चारों ओर एवं घर के आस-पास क्या लगाना चाहिए?

पृथ्वी पर जल की उपलब्धता

पृथ्वी पर तीन चौथाई भाग जल है इसमें से 97% जल समुद्र में पाया जाता है। समुद्र का जल खारा होने के कारण न पी सकते हैं और न सिंचाई में उपयोग कर सकते हैं केवल 3% जल जो भूमि के अन्दर(भू-जल) और भू-सतही जल (नदियों, तालाबों, पोखरों) का जल हम उपयोग कर सकते हैं।

पृथ्वी पर भू-जल की स्थिति

भू-जल की कमी के कारण

1- जनसंख्या बढ़ने के कारण जल की मांग भी बढ़ रही है।
2- वर्षा कम होने से भूमि के अन्दर कम जल जा रहा है
3- सिंचाई एवं उद्योगों के लिये मशीनों द्वारा अत्यधिक जल का उपयोग ।
4- वर्षा के जल को इकट्ठा न करने से ।
5- सूखे तालाबों, कुओं आदि में पुनः पानी न भरने से ।

जल संचयन एवं पुनर्भरण

वर्षा का जल धीरे-धीरे रिस-रिस कर जो धरती के अन्दर जाता है इसे प्राकृतिक पुनर्भरण कहते हैं तालाब, पोखर एवं बांध बना कर जब वर्षा के जल को रोककर रखते हैं तो इसे संचयन कहते हैं।

वर्षा जल संचयन की आवश्यकता

1- गिरते हुए भू-जल स्तर को नियंत्रित करने के लिए
2-भू-जल प्रदूषण को कम करने के लिए।
3-भू-जल स्तर की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए।
4-सूखाग्रस्त क्षेत्रों में जल की पूर्ति के लिए।
5- जल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए।

कुछ और भी जाने।

1- मनुष्य भोजन के बिना कई सप्ताह तक जीवित रह सकता है पर.जल के बिना केवल 6 दिन ।
2- मनुष्य के शरीर का 70% भाग जल है।
3- विश्व जल दिवस 22.मार्च को मनाया जाता है।
4- भारत की जलनीति 1987 में बनाई गई 2002 में इसकी घोषणा की गई।
5- राष्ट्रीय जलनीति में जल को दुर्लभ एवं बहुमूल्य राष्ट्रीय संसाधन माना गया है।

गृह कार्य

मिलान करिए

उपयोगी जल	70%
समुन्द्री जल	3%
विश्व जल दिवस	1987
भारत जल नीति	22 मार्च

खाली जगह भरिये

(क) वर्षा के जल का रिस-रिस कर अन्दर जाना_____।
(ख) तालाब, पोखर एवं बांध में वर्षा के जल को रोककर रखना_____।

उत्तरमाला क्रमांक-06

1- कुआँ, तालाब
2- नदी, तालाब,
झील
3- खारा
4-ठोस
5-70

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शबनम तौक़ीर(लखनऊ),शीला सिंह(ग़ाजीपुर) 9458278429

विषय- कला पाठ- पैगविन कक्षा -UPS

प्रकरण- शिल्पकला क्रमांक -

मिशन शिक्षण संवाद

आओ बच्चों ,आइसक्रीम स्टिक और कार्ड बोर्ड से पैगविन बनायें।

कुछ ऐसे बनाने का भी प्रयास करें।

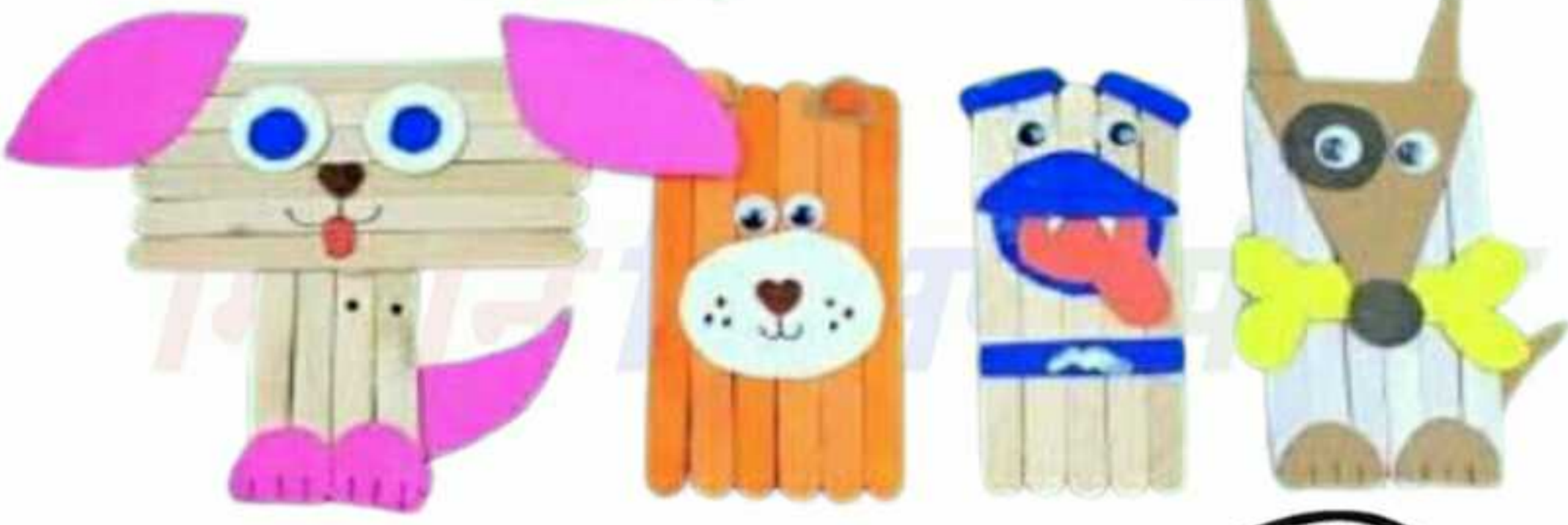

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नीरा चौहान प्र०वि०फुगाना–2,मुजफ्फरनगर 9458278429

जल : संसाधन के रूप में विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों में जल एक प्रमुख संसाधन है।सभी जीवधारियों के जीवन के लिए जल बहुत ही महत्वपूर्ण है एवं आवश्यक है, इसीलिए कहते हैं "जल ही जीवन" है।प्रकृति मे जल तीन रूपों में मिलता है-
1- ठोस(बर्फ) 2- द्रव(पानी) 3- गैस(भाप)

जल के स्रोत- जल के स्रोतों को मुख्यत: तीन भागों में बांट सकते हैं-

1-धरातलीय स्रोत- पृथ्वी की सतह से प्राप्त होने वाला जल धरातलीय स्रोत के अन्तर्गत आता है, जैसे समुद्र, नदियों, तालाब, झीलें आदि। **पृथ्वी पर उपस्थित समस्त जल का 97%भाग खारे समुद्री जल के रूप में है,यह घुलित लवणो के कारण खारा और न पीने योग्य है। केवल 0.6%जल ही नदियों, तालाबों और झीलों में पाया जाता है।**

2-भूमिगत स्रोत धरातलीय पर पाये जाने वाले जल का कुछ भाग रिस-रिस कर भूमि के नीचे एकत्र हो जाता है, इसे ही भूमिगत जल कहते हैं ।इस जल को कुओं, हैण्डपम्पों, नलकूपों से प्राप्त किया जाता है।

3- हिमनद पृथ्वी पर उपस्थित कुल जलभंडार का 24% भाग हिमनद और ध्रुवीय बर्फ के रूप मे पाया जाता है। यही बर्फ पिघल कर नदियों में मिलती है ।

जल के उपयोग

●कृषि और बागवानी में- फसल अनाजों, सब्जियों, फलों को उगाने और वृद्धि के लिए जल जरूरी है ।जल का कुल उपयोग की 70% मात्रा केवल सिंचाई में प्रयुक्त होती है।

●उद्योगों - उद्योगों में जल का प्रयोग बहुत अधिक होता है।जल से विद्युत उत्पादन भी होता है।जल शीतलक के रूप में, वस्तुओं को धोने, घोलने आदि मे प्रयोग होता है।

●घरेलू कामों में- हमारे दैनिक जीवन में जल पीने, नहाने-धोने, खाना बनाने, वस्तुओं को साफ करने आदि में।

●मनोरंजन में- वाटर पार्क, झरने, झीलें आदि का मनोरंजन के लिए।
●साफ- सफाई -परिवेश एवं पालतू जानवरों के साफ-सफाई में।

अभ्यास कार्य
1- भूमिगत जल स्रोत हैं-(1)____(2)_____
2- धरातलीय स्रोत के अन्तर्गत _____, _____, और _____आदि हैं
3- समुद्र का जल पीने योग्य नहीं क्यों वह_____है।
4- पहाडों पर जमी बर्फ जल का_____रूप है।
5-जल के उपयोग का सबसे अधिक _____प्रतिशत मात्रा कृषि मे प्रयुक्त होता है।

उत्तर माला पेज -5
1- मना करना 2- पुन:चक्रण करना
3- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता 4- सूखा कचरा
5-गीला कचरा 6-धूम्र अवक्षेपक

विषय- चित्रकला **पाठ**- हंस **कक्षा** -UPS

प्रकरण- चित्रण व रंग **क्रमांक**-

मिशन शिक्षण संवाद

आओ बच्चों हंस बनायेंऔर रंग भरें।

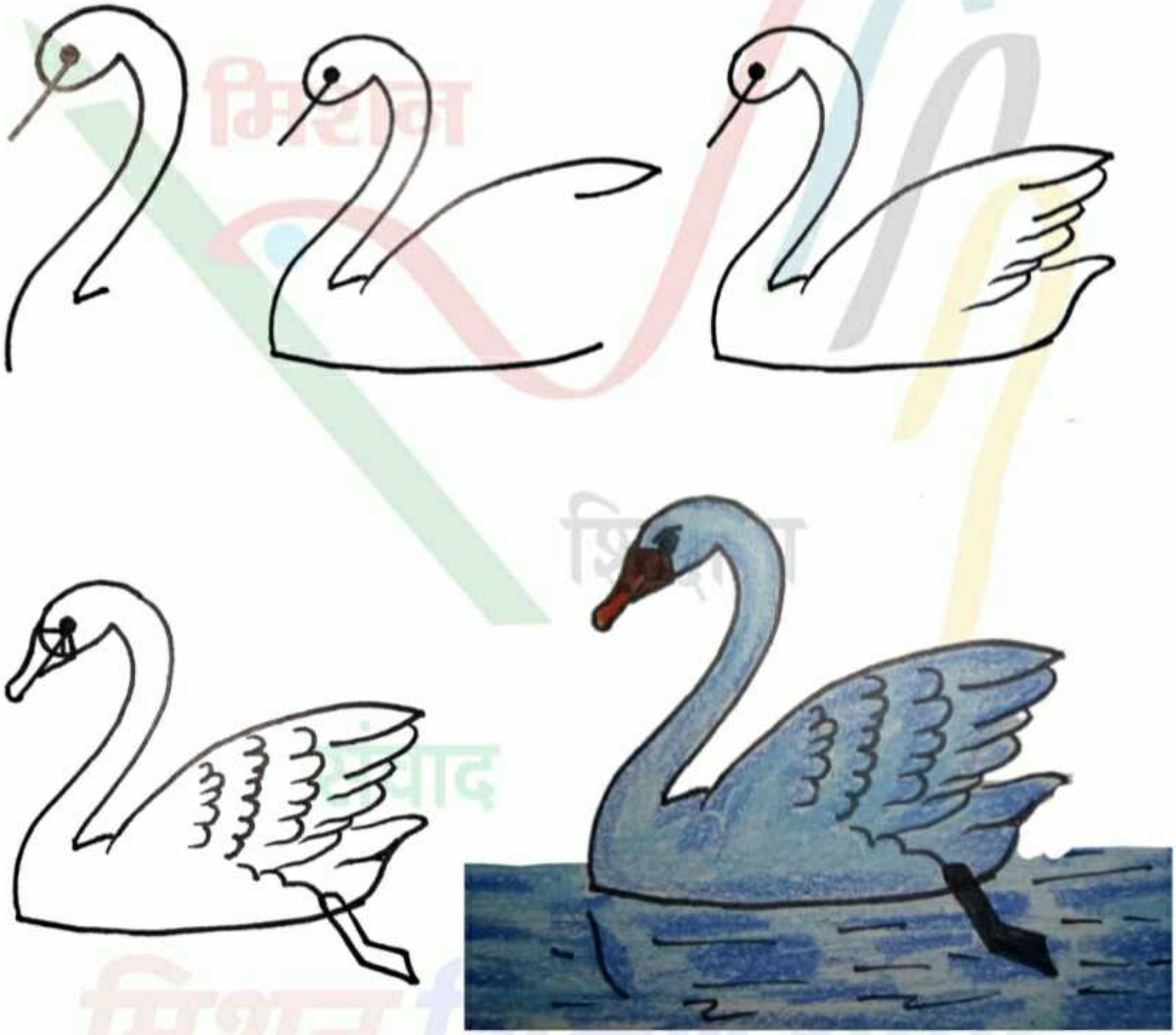

सिर्फ अंतिम चित्र अपनी कॉपी पर बनाना है।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नीरा चौहान प्रा०वि०फुगाना–2 मुजफ्फरनगर

मिशन शिक्षण संवाद

कम्प्यूटर के प्रकार

एप्लीकेशन के आधार पर कम्प्यूटर तीन प्रकार का होता है

एनालॉग कम्प्यूटर (ANALOG COMPUTER)—
ये कम्प्यूटर भौतिक राशियों के किसी सतत परिवर्तित गुण के मापन के आधार पर कार्य करते हैं।

डिजिटल कम्प्यूटर (DIGITAL COMPUTER)
ये कम्प्यूटर द्विधारी (बाइनरी) अंकों का उपयोग करते हैं। अधिकांशत: कम्प्यूटर डिजिटल कम्प्यूटर ही होते हैं।

हाईब्रिड कम्प्यूटर (HYBRID COMPUTER)
ये कम्प्यूटर एनालॉग एवं डिजिटल कम्प्यूटर दोनों का कॉम्बिनेशन होता है।

गृह कार्य

प्र०1: एप्लिकेशन के आधार पर कंप्यूटर कितने प्रकार के होते हैं?
प्र०2: डिजिटल कंप्यूटर किस प्रकार के अंकों का प्रयोग करते हैं?
प्र०3: हाइब्रिड कंप्यूटर किस कहते हैं?

उत्तर माला (क्रमांक - 2)

उ०1: अबेकस को पहला कंप्यूटर माना जाता है।
उ०2: 17 वी शताब्दी में आविष्कार किए गए मशीन में मेमोरी डाली गई थी।
उ०3: प्रथम इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर का नाम ENIAC है।
उ०4: इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर के विकास को 5 जेनरेशन में बाटा गया।

हमारा स्वास्थ्य

आज स्कूल में डॉक्टर आयी थीं। विद्यालय में बच्चों के साथ-साथ उनके माता-पिता को भी बुलाया गया था। सभी बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच हो रही थी। बच्चों की बारी-बारी से जाँच करते हुए डॉक्टर कुछ स्वास्थ्य सम्बन्धी बातें बताती जा रही थीं जैसे-

1. समय से खाना खाकर सो जाया करो।
2. खाने से पहले साबुन से हाथ धोया करो।
3. दूषित जल मत पिया करो।
4. सुबह-सुबह टहलने जाया करो। योगाभ्यास किया करो।
5. नित्य स्नान किया करो।

सुमित ने कहा इन की बातें कौन सुने ? कुछ देर पश्चात् समूह में बैठी मीता ने डॉक्टर से पूछा-डॉक्टर जी ऐसी कोई दवा बताएँ जिससे मेरी बेटी शिवानी भी मोटी हो जाय। डॉक्टर अचंभित रह गयीं। फिर उन्होंने सभी बच्चों से एक साथ पूछा-क्या मोटा होना ही स्वस्थ होना है ? बच्चों में चुप्पी छा गयी। कुछ देर बाद एक कोने से आवाज आई-और क्या? मोटा होना ही तो स्वस्थ होना है। कुछ और बच्चों ने हाँ में हाँ मिलाई। किसी ने कहा-तेज दौड़ना स्वस्थ होना है तो किसी ने बताया कि खेलना।

डॉक्टर ने कहा-लेकिन स्वस्थ होने के लिए मोटा होना आवश्यक नहीं।

फिर हम कैसे जानें कि हम स्वस्थ हैं? कई बच्चों ने एक साथ पूछा। डॉक्टर ने कहा कि यदि तुम्हें कोई रोग नहीं है और लम्बाई के अनुपात में तुम्हारा वजन सही है तथा तुम अपने सभी कार्य बिना थके कर सकते हो, तो तुम स्वस्थ हो।

अभ्यास प्रश्न

1. खाने से पहले हमे क्या करना चाहिए?
2. डाक्टर ने हमें कौन-कौन सी बातें बताई?
3. सुबह जगने के बाद क्या करना चाहिए?

(समय से सोना)

(हाथों को धोना)

(व्यायाम करना)

क्रमांक-6

शब्द-विचार(Morphology)

शब्द-
अपने विचारों को प्रकट करने के लिए हमें किसी न किसी माध्यम की आवश्यकता पड़ती है। अपने विचारों को प्रकट करने के लिए हम बोलते हैं तथा बोलने के लिए शब्दों की आवश्यकता पडती है। शब्द छोटा हो या बड़ा, एक वर्ण का हो या अधिक, उसका अपना अर्थ होता वर्ण या वर्णों के ऐसे समूह, जिनका कोई अर्थ होता है, को शब्द कहते हैं।

शब्दों की विशेषताएँ-
👉 शब्द वर्णों के योग से बनते हैं।
👉 शब्द से किसी अर्थ की अभिव्यक्ति होती है।
👉 शब्द वाक्य में प्रयुक्त होकर विचारों को प्रकट करते हैं।
👉 शब्द वाक्यों में एक निश्चित स्थान रखते हैं और इसी के अनुसार इन्हें संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण आदि शब्द भेदों में बाँटा जा सकता है।

शब्द और पद में अंतर-
जब शब्द का प्रयोग वाक्य में व्याकरण के नियमों में बँधकर होता है तो वह पद कहलाता है। वाक्य से अलग अकेला ही वह शब्द कहलाता है। 'लड़का, सुंदर, गुलाब' शब्द हैं, पद नहीं। किन्तु 'लड़का एक सुंदर गुलाब लिए है' में प्रत्येक शब्द पद कहलाएगा।

शब्दों के भेद-
हिंदी के शब्दों को चार आधारों पर अलग-अलग वर्गों में बाँटा गया है-
1. अर्थ के आधार पर
3. उत्पत्ति के आधार पर
2. रचना के आधार पर
4. प्रयोग के आधार पर

1. अर्थ के आधार पर शब्द-भेद-अर्थ के आधार पर शब्दों को दो वर्गों में बाँटा गया है-
(क) सार्थक शब्द
(ख) निरर्थक शब्द

याद रखें-
👉 वर्ग या वर्णों का समूह, जिसका कोई अर्थ होता है, को'शब्द' कहते हैं।
👉 शब्द के भेद चार आधारों पर किए गए हैं-अर्थ के, रचना के, उत्पत्ति के व प्रयोग के आधार पर

गृहकार्य-
1-शब्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखें-
2-शब्द की विशेषताएँ बताइए-

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- **Praveena dixit**